वर्ष : 33 अंक : 241 पृष्ठ : 8 मुंबई, रविवार, 17 नवंबर 2024 RNI: MAHHIN/49994/91 मूल्य : 3 रुपए epaper.dobajedopahar.com संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जीत सुनिश्चित करें : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं संग ऑनलाइन बैठक की

डॉक्टर जैसे पेशेवर लोगों को अपने साथ जोड़ें

अमित बृज । मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं से 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर पर जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को कहा।

'हर घर तक संदेश पहुंचाना होगा'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस अपना इतिहास जानती है। उन्होंने कहा, जब तक देश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को पता नहीं था, तब तक कांग्रेस केंद्र में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आती रही। प्रधानमंत्री ने कहा, लेकिन जब से ये समुदाय एकजुट हुए हैं, कांग्रेस कमजोर होती जा रही है। इसलिए, कांग्रेस अब एससी, एसटी और ओबीसी को इस हद तक तोड़ना चाहती है कि कांग्रेस का मुकाबला करने की कोई ताकत ही न बचे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। मोदी ने कहा कि भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन को विजयी बनाने के लिए हर घर तक संदेश पहुंचाना होगा।

महिलाओं, युवाओं और किसानों को जोड़ने का निर्देश

'मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाइन माध्यम से बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि वे महिलाओं, युवाओं और किसानों की बूथ स्तर पर बैठकें आयोजित करें। भाजपा नेतृत्व वाली सरकार की योजनाओं के वीडियो दिखाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के बीच पार्टी के संदेश का प्रचार करने के लिए डॉक्टर जैसे पेशेवर लोगों को अपने साथ जोड़ने के लिए कहा।

'मतदाताओं को जागरूक करें'

महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को विपक्ष के झूठ के बारे में मतदाताओं को जागरूक करना चाहिए। मोदी ने कहा, मैं जहां भी गया, मैंने अपने कार्यकर्ताओं को कड़ी मेहनत करते देखा। उन्होंने कहा, आप सभी भाजपा के मजबूत सिपाही हैं, आप लोग सीधे मोदी के प्रतिनिधि हैं। जनता आपको अपनी उम्मीदें और आकांक्षाएं बताकर आश्वस्त महसूस करती है। उन्हें लगता है कि अगर कोई बात आपको बता दी तो मोदी को बता दी। उन्होंने कहा, मैं भी यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता हूं कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से जमीनी हकीकत मुझ तक पहुंचे। हमारी सरकार का दृष्टिकोण है कि हम सब मिलकर इतना विकास करें कि सभी को आगे बढ़ने का मौका मिले।

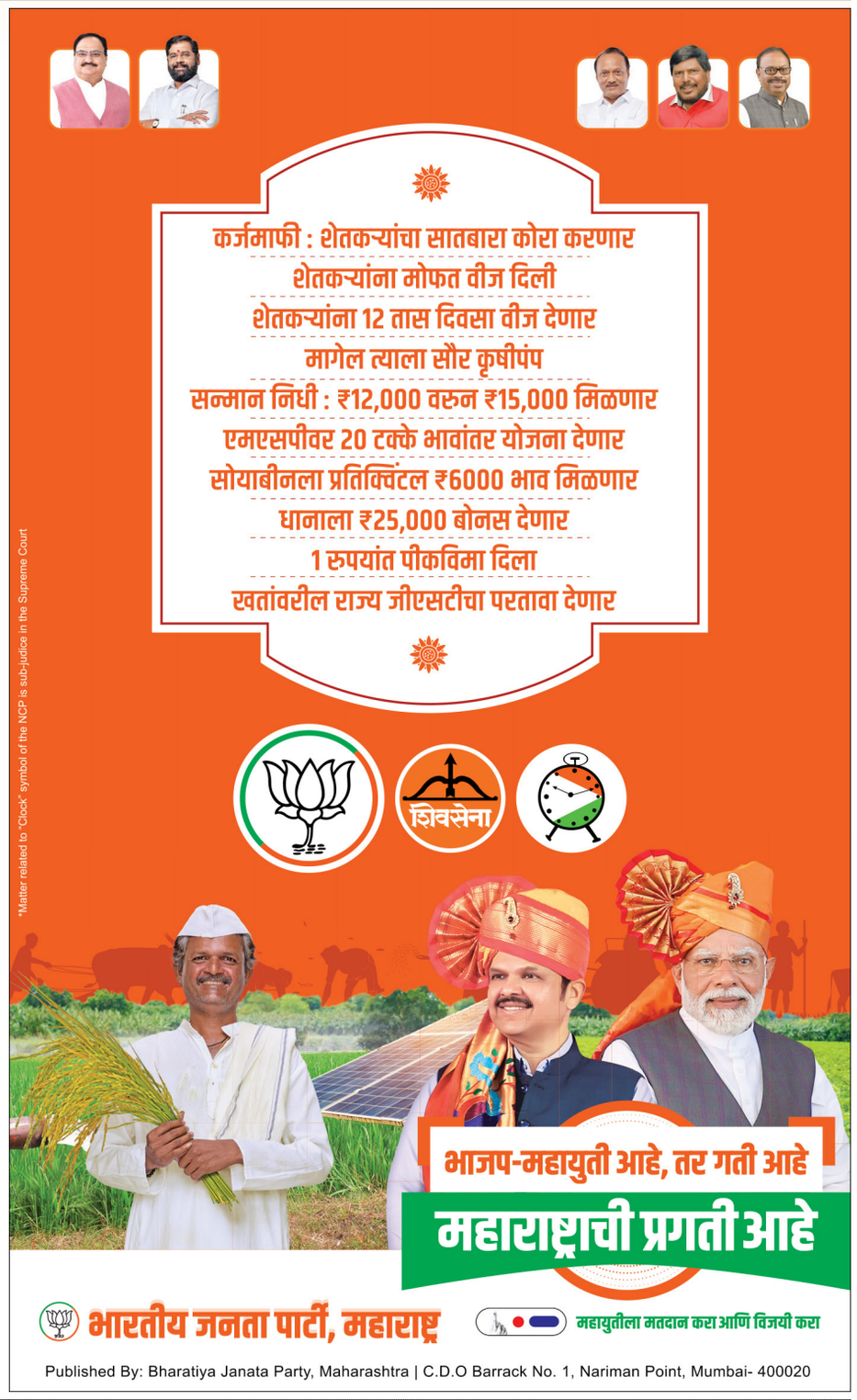

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार-गुरुवार को रेग्यूलर सुनवाई नहीं होगी

नियमों में फेरबदल हुआ

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना के भारत के सीजेआई बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट में मामलों की सुनवाई के संबंध में शनिवार को नया सर्कुलर जारी किया गया। इसके मुताबिक बुधवार और गुरुवार को नियमित सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं किए जाएंगे।

क्या है सर्कुलर में?

सर्कुलर के मुताबिक मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ट्रांसफर याचिकाओं और जमानत मामलों सहित अन्य मामलों को लिस्ट किया जाएगा और अगले आदेश तक बुधवार-गुरुवार को कोई नियमित सुनवाई वाला मामला लिस्ट नहीं किया जाएगा। स्पेशल बेंच या पार्ट हियर्ड मैटर (आंशिक सुनवाई) वाले मामले चाहे विविध हो या नियमित सुनवाई, जिसे मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को लिस्ट करने का निर्देश दिया गया है, उसे लंच के बाद के सेशन में या कॉम्पिटेंट अथॉरिटी के निर्देश के मुताबिक लिस्ट किया जाएगा।

वर्तमान प्रैक्टिस : सोमवार और शुक्रवार को लिस्ट किए जाते हैं नए मामले

वर्तमान प्रैक्टिस के मुताबिक, नए मामले सोमवार और शुक्रवार को लिस्ट किए जाते हैं, जिन्हें मिसलेनियस डे भी कहा जाता है। मंगलवार और गुरुवार को रेग्यूलर सुनवाई के मामले तय किए गए हैं। जहां मामलों की अंतिम सुनवाई होती है।

तीन शव मिलने के बाद मैतेई समुदाय का उग्र प्रदर्शन

इंफाल में विधायकों के घर तोड़फोड़-आगजनी

इंफाल। मणिपुर में शुक्रवार को एक महिला और दो बच्चों के शव जिरी नदी में बहते मिले थे। इसके बाद से राज्य के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जो अब हिंसक हो गया है।

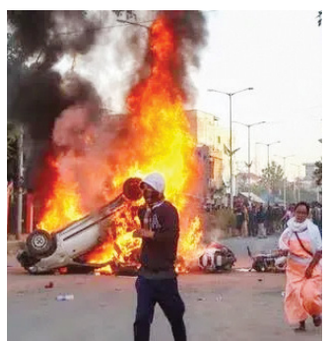

आठ विधायकों के घर हमला

मैतेई समुदाय के लोगों ने इंफाल में आठ विधायकों के घर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने यहां पथराव और आगजनी की। इंफाल में टायर जलाकर सड़कों को ब्लॉक किया।

क्या है मामला?

दरअसल, 11 नवंबर को वर्दी पहने हथियारबंद उग्रवादियों ने बोरोबेकरा थाना परिसर और सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। इसमें 10 उग्रवादी मारे गए थे। इस दौरान जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा थाना परिसर स्थित राहत शिविर से 6 लोगों को अगवा किया गया था। शुक्रवार को मिले तीन शव इन लापता हुए लोगों के बताए जा रहे हैं।

मुंबई कांग्रेस ने जारी किया 'मुंबईनामा'

धारावी प्रोजेक्ट, बीएमसी स्कूल और ओसी को लेकर किए अहम वादे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधानसभा चुनाव के उपलक्ष्य में प्रचार के दौरान नेताओं, उम्मीदवारों और उनकी सियासी पार्टियों के लुभावने वादों का सिलसिला जारी है। शनिवार को मुंबई कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में मुंबई के लिए अपना अलग घोषणा पत्र जारी किया।

धारावी प्रोजेक्ट को रद्द करने का वादा

मुंबई कांग्रेस के मुंबई नामा में महा विकास अघाड़ी की सरकार आने के बाद धारावी के निवासियों द्वारा विरोध किए जा रहे अदानी के धारावी प्रोजेक्ट को रद्द किए जाने और इसके बदले धारावी वासियों की इच्छाओं का सम्मान करने वाला नया धारावी पुनर्विकास प्रोजेक्ट को लागू करने का वादा किया गया है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 500 वर्ग फुट का प्लॉट और आर्थिक इस्तेमाल के लिए भी स्थान (प्लॉट) दिया जाएगा। किसी को भी इस प्रोजेक्ट से बाहर नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही धारावी में एक निर्यात प्रधान केंद्र बनाने का भी वादा किया गया है।

आवासीय सोसायटियों को 6 महीने में ओसी :

मुंबई महानगर क्षेत्र में 50 हजार से ज्यादा हाउसिंग सोसायटियों को छह महीने में प्रलंबित ओसी (कब्जा प्रमाणपत्र) दिए जाने का आश्वासन भी मुंबई कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किया है। इसके अलावा विधानसभा के पहले सत्र में हाउसिंग सोसायटियों पर 18 फीसदी जीएसटी घटाकर 5 फीसदी करने का प्रस्ताव पास करने, एसआरए योजना को सरल बनाने का वादा मुंबईनामा में किया गया।

मछुआरों का 5 लाख तक का कर्ज माफ

मुंबई के बौद्ध विहारों को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसी तरह मछली को बेहतर कीमत दिलाने के लिए ससून और मझगांव डॉक (बंदरगाह) के साथ वरली और बांद्रा में मछली उत्पादन विपणन परिषद की स्थापना की जाएगी। मछुआरों का 5 लाख रुपए का कर्ज माफ किया जाएगा। कोलीवाड़ा क्षेत्रों के विकास कार्य को प्राथमिकता में शामिल होंगे। मुंबई पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में एक-एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल स्थापित किया जाएगा, इस तरह के कई जनकल्याण के वादे किए गए हैं। इस अवसर पर राज्य के पूर्व मंत्री सुरेश शेट्टी, अखिल भारतीय कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव बीवी व्यंकटेश, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता और पूर्व विधायक चरणजीत सप्रा, प्रवक्ता युवराज मोहिते, निजामुद्दीन राईन आदि उपस्थित थे।

न्यूज़ ब्रीफ

धारावी में कांग्रेस की प्रचार रैली में आतिशबाजी से हादसा, 9 साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल

मुंबई। मुंबई के धारावी में कांग्रेस की प्रचार रैली के दौरान पटाखे फोड़ने से 9 साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। कामराज नगर में बुधवार को कांग्रेस की प्रचार रैली आयोजित की गई थी। कांग्रेस प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंचे तेलंगाना के मुख्यमंत्री के आगमन पर जमकर आतिशबाजी की गई थी। तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी धारावी में कांग्रेस उम्मीदवार ज्योति गायकवाड़ के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। पटाखा विस्फोट से बच्चे की आंख और चेहरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गंभीर रूप से घायल बच्चे का सायन अस्पताल में इलाज चल रहा है। फिलहाल बच्चे का परिवार यहां नहीं है। वो चाचा के साथ रहता है।

चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस का बड़ा एक्शन, जयश्री को पार्टी से बाहर निकाला

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान से ठीक पहले कांग्रेस ने बड़ा फैसला लेते हुए पार्टी नेता जयश्री पाटिल के खिलाफ एक्शन लिया है। कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासन तोड़ने के चलते उनके खिलाफ सख्त फैसला लिया गया है। कांग्रेस ने सांगली निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए जयश्री पाटिल के खिलाफ एक्शन लिया और उन्हें 6 साल के लिए कांग्रेस पार्टी से बाहर कर दिया है।

नक्सलियों के मंसूबों पर सुरक्षाबलों ने फेरा पानी

चुनाव बाधित करने की प्लानिंग कर रहे थे नक्सली

गडचिरोली। विधानसभा चुनावों के बीच नक्सली बड़े हमले की तैयारी में थे लेकिन सुरक्षा बलों ने इस प्लानिंग को ध्वस्त कर दिया है। नक्सलियों ने गढ़चिरौली के भामरागढ़ और ताड़गांव को जोड़ने वाले परलाकोटा नदी पर बने पुल पर कुछ आईईडी लगाए थे। जानकारी मिलने के बाद गढ़चिरौली से हेलीकॉप्टर द्वारा बीडीडीएस की एक टीम भेजी गई। इसके बाद गढ़चिरौली पुलिस, सीआरपीएफ और बीएसएफ की

संयुक्त टीम ने इलाके में तलाशी ली। टीमों को दो आईईडी मिले।

जब टीमें इसे निष्क्रिय करने की तैयारी कर रही थीं, तब एक आईईडी में विस्फोट हो गया। मौके पर मौजूद बीडीडीएस टीम ने एक आईईडी को नष्ट कर दिया। विस्फोट में सुरक्षा बलों के किसी भी जवान को कोई चोट नहीं आई है। गढ़चिरौली पुलिस की सतर्कता के कारण माओवादियों द्वारा विधानसभा चुनावों को बाधित करने का प्रयास विफल कर दिया गया है। पिछले महीने ही गढ़चिरौली जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए थे। यह मुठभेड़ भामरागढ़ तालुका के जंगल में हुई थी।

अच्छी पहल मध्य रेलवे के निरंतर प्रयासों से हजारों यात्रियों की जान बची

मध्य रेलवे का मिशन जीरो डेथ

पिछले वर्ष की तुलना में ट्रैक पर मौत के मामलों में 14% की कमी आई

धीरज सिंह । मुंबई

मिशन जीरो डेथ के तहत ट्रैक पर मौत को कम करने के लिए मध्य रेल के अथक प्रयासों से बहुत प्रभावशाली परिणाम सामने आए हैं। ट्रैक पर मौत के मामलों की संख्या में 367 मामलों (14%) की कमी आई है, यानी जनवरी से अक्टूबर 2023 के दौरान 2755 मामलों से जनवरी से अक्टूबर 2024 के दौरान 2388 मामले रह गए हैं। "चोटों" के मामलों में 141 मामलों (10%) की कमी आई है, यानी जनवरी से अक्टूबर 2023 के दौरान 1352 मामलों से जनवरी से अक्टूबर 2024 के दौरान 1211 मामले रह गए हैं।

कुल घटनाओं में 13% की कमी आई

कुल घटनाओं (मृत्यु/चोटों) की संख्या में 508 मामलों (13%) की कमी आई है, यानी जनवरी से अक्टूबर 2023 के दौरान 4107 मामलों की तुलना में जनवरी से अक्टूबर 2024 के दौरान 3599 मामले रह गए हैं।

अतिक्रमण के कारण 40% मामले

पटरियों पर मौत/गंभीर चोटों की घटनाओं का एक प्रमुख कारण अतिक्रमण/पटरी पार करना (ट्रेसपासिंग) है। जनवरी से अक्टूबर 2024 की अवधि के दौरान, 3599 मामलों में से 1429 मामले अतिक्रमण के कारण मृत्यु और घायल होने के हैं, जो लगभग 40% है। ट्रैक पर मृत्यु के कुल 2388 मामलों में से 1210 मामले अतिक्रमण के कारण हैं, जो 50% से अधिक है। अनधिकार प्रवेश के इन मामलों में से कई गंभीर चोटों का कारण भी बनते हैं, जिसमें अंग/अंगों को खोना भी शामिल है, जो लगभग 18% है।

ट्रैक पर मृत्यु/चोटों के मामले

- चलती ट्रेन से गिरने के कारण 653 मामले
- प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच की खाई में गिरने के कारण 91 मामले
- आत्महत्या, बिजली के झटके से मृत्यु, दिल का दौरा, बीमारी आदि जैसे प्राकृतिक कारणों से मृत्यु जैसे अन्य कारणों से 1423 मामले

80 करोड़ की चांदी जब्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मानखुर्द में पुलिस ने एक ट्रक से 8,476 किलो चांदी बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 80 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसकी जानकारी पुलिस ने आयकर विभाग और चुनाव आयोग को दे दी है, जो इस मामले में आगे की जांच कर रहे हैं।

ठाणे में वाहन से 5 .55 करोड़ की नकदी बरामद

ठाणे के कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन आयोग की टीम ने शनिवार को एक वाहन से 5 .55 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारी विश्वास गुर्जर ने बताया कि टीम ने सुबह शिलफाटा इलाके में तैनाती के दौरान एक वाहन को रोका और उसमें से 5 .55 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की। उन्होंने आगे कहा कि नकदी की जांच मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की गई। बाद में इसे आयकर विभाग के अधिकारियों ने उसे जब्त कर लिया।

प्रवासी राजस्थानियों को साध रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुंबई और भिवंडी में सम्मेलन को किया संबोधित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र चुनाव के लिए मतदान आगामी 20 नवंबर को होंगे। वहीं, बीजेपी ने प्रवासी राजस्थानी को साधने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दी है। सीएम महाराष्ट्र (Maharashtra) के कई क्षेत्रों के दौरे कर रहे हैं। शनिवार को सीएम महेश चौगुले व भिवंडी पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संतोष शेट्टी के चुनाव प्रचार के लिये आए। इस दौरान उन्होंने महायुति के लिए वोट की अपील के साथ ही महाअघाड़ी गठबंधन को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि महाअघाड़ी गठबंधन नहीं, बल्कि ठगबंधन है, जिसने जनता को ठगा। हर राजस्थानी के लिए राष्ट्रवादी विचार ही सर्वोपरि है। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को राजस्थानी समाज जिताएगा।

चौगुले और शेट्टी के चुनाव प्रचार में पहुंचे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के भिवंडी विधानसभा प्रत्याशी महेश चौगुले व भिवंडी पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संतोष शेट्टी के चुनाव प्रचार के लिये आये राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थानी प्रवासी सम्मेलन में भारी भीड़ देखकर गदगद हो गये। उन्होंने कहाकि रजहाँ न जाये रेलगाड़ी वहाँ जाये बैलगाड़ीर और जहाँ न जाये बैलगाड़ी वहाँ जाये मारवाडी जहां रहता है उसकी जीत निश्चित होती है । अंजूरफाटा स्थित टर्फ खेल मैदान में राजस्थानी प्रवासी स्नेह सम्मेलन में भारी संख्या में महिला व पुरुषों को देखकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थानी समाज की तरफ से भिवंडी पूर्व व पश्चिम महायुति के प्रत्याशियों को विजयी बनाने का संकल्प लिया। वहीं कांग्रेस पर निशाना साधते हुये कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचारियों की जननी है और उससे जुड़े लोग भ्रष्टाचारी हैं।

राजस्थानी समाज के प्रतिनिधियों से मुंबई में मुलाकात

मुख्यमंत्री ने 16 नवंबर को मुंबई में कई कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सुबह 9 :30 बजे राजस्थानी प्रतिनिधियों के साथ उनकी मुलाकात मुंबई स्थित सोफिटेल होटल में हुई। सुबह 11 बजे गोरेगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मलाड (पश्चिम) में राजस्थानी समाज सम्मेलन और दोपहर 12 ।15 बजे विभिन्न राजस्थानी समाज संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ उनका लंच हुआ।

भ्रष्टाचारियों को वोट की चोट से सिखाए सबक- सीएम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधन में कहा कि कांग्रेस और इसके सहयोगी सिर्फ झूठ व लूट की बात करते हैं। महाराष्ट्र को ऐसे ठगबंधन की जरूरत नहीं है, जो जनता को धोखे के सिवाय कुछ न दे सके। चुनाव के समय अफवाहों को सहारा लेने वाली कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है, लेकिन महाराष्ट्र की जनता इन भ्रष्टाचारियों को वोट की चोट से सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी दुनिया के सबसे मजबूत लीडर हैं, जिनके नेतृत्व में भारत का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। वर्ष 2014 के बाद आए परिवर्तन को सभी ने देखा है। गरीब कल्याण की योजनाएं, सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद का खात्मा और दुनिया में बढ़ता हुआ गौरव इसका प्रमाण है।

पटोले का राज्यपाल और CEC को पत्र

DGP के रूप में रश्मि शुक्ला की संभावित नियुक्ति पर जताई आपत्ति

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने शनिवार को राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और अन्य को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में रश्मि शुक्ला की दोबारा नियुक्ति की संभावना पर आपत्ति जताई है।

20 नवंबर को चुनाव

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हाल ही में एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने अधिकारियों को न केवल निष्पक्ष रहने की चेतावनी दी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते समय पक्षपात करते न दिखें।

पटोले ने पहले भी लिखा पत्र

इसी महीने पटोले ने इससे पहले भी चुनाव आयोग को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि चुनाव आयोग से अनुरोध है कि वह सुनिश्चित करे कि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को किसी अन्य पद पर नियुक्त न किया जाए, जिससे कानूनी ढांचे का पालन हो और संस्था में जनता का विश्वास मजबूत हो।

फोन टैप का लगा था आरोप

रश्मि शुक्ला पर कुछ राजनीतिक नेताओं के फोन टैप करने का आरोप लगा था, जब वह महाराष्ट्र में राज्य खुफिया विभाग (एसआईडी) की प्रमुख थीं। साल 2019 में जब शिवसेना नेता संजय राउत और राकांपा नेता एकनाथ खडसे के फोन टैप होने के आरोप लगे थे, तब रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र पुलिस के खुफिया विभाग की प्रमुख थीं। इस मामले में उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज हुई थी। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी, जिसके बाद रश्मि शुक्ला ने कोर्ट में अर्जी दायर कर उन्हें आरोप मुक्त करने की अपील की थी। रश्मि शुक्ला 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। उद्धव ठाकरे सरकार ने रश्मि शुक्ला के खिलाफ केस दर्ज कराया था। बाद में शिंदे नीत भाजपा सरकार में उन्हें राज्य का डीजीपी बनाया गया था।

राहुल गांधी के आने के बाद गिरा लोकसभा में बहस का स्तर: रिजिजू

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नागपुर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू शनिवार को नागपुर पहुंचे। संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और महायुति के पक्ष में लहर है और लाडकी बहिन योजना से सत्तारूढ़ गठबंधन को फायदा होगा। इस दौरान किरेन रिजिजू ने लोकसभा में नेता विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद में आने के बाद से लोकसभा में बहस का स्तर गिर गया है।

महाराष्ट्र की अस्मिता बेचने वाले हमें हिंदुत्व सिखा रहे: उद्धव ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर महाविकास आघाड़ी ने कल्याण पूर्व के पोटे मैदान में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार धनंजय बोडारे के लिए एक जनसभा को संबोधित करते हुए विरोधियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने हुकुमशाही को घुटनों पर लाकर खड़ा किया और इस बार विधानसभा चुनाव में उनके सफाए के लिए जनता तैयार है। ठाकरे ने बीजेपी और शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए आगे कहा कि महाराष्ट्र की अस्मिता को बेचने वाले आज हमें हिंदुत्व सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो दिल्ली में चाकरी करते हुए महाराष्ट्र के सम्मान से समझौता कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों और भाजपा की राजनीति को जनविरोधी बताते हुए कहा कि महाविकास आघाड़ी का गठबंधन केवल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की जनता के अधिकार और अस्मिता की रक्षा के लिए बना है। चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' को लेकर उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग का निर्णय पक्षपातपूर्ण है। धनुष-बाण हमारा था, है और रहेगा। इसे छीनने की हर कोशिश नाकाम होगी। उन्होंने चुनाव आयोग को केंद्र सरकार की कठपुतली बताते हुए इस मुद्दे को कोर्ट में ले जाने की बात कही। ठाकरे ने आगे कहा कि भाजपा और उनके सहयोगी अब हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत फैलाने के बाद मराठी बनाम मराठी का खेल खेलने लगे हैं, लेकिन महाराष्ट्र की जनता ऐसी साजिशों को नाकाम कर देगी। यह चुनाव केवल सत्ता का नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और भाईचारे को बचाने का है। ठाकरे ने सभा में महिलाओं को भी संबोधित करते हुए बड़ा वादा किया।

उत्तर भारतीय वोटरों को साधने में लगे राजनाथ सिंह

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में 20 नवंबर को मतदान होने हैं। इसके लिए उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार के लिए दो दिन से भी कम का समय बचा है। प्रचार के लिए देशभर के नेताओं का मुंबई और महाराष्ट्र में जमावड़ा लगा है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इसी पृष्ठभूमि में मुंबई आए हैं। शनिवार को उन्होंने बांद्रा-पूर्व बीकेसी स्थित सोफिटेल होटल में मुंबई के प्रबुद्ध उत्तर भारतीयों से संवाद साधा। 'परिश्रम' की ओर से आयोजित हिंदी भाषियों के सम्मेलन में राजनाथ सिंह ने लोकसभा के निराशाजनक परिणाम पर बात की तो वहीं हरियाणा में जनता के बदले मूड का भी जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड और महाराष्ट्र में बीजेपी नीत महायुति की सरकार अवश्य बनेगी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उपस्थित लोगों से आव्हान करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की सरकार ने अच्छा काम किया है। सीएम एकनाथ शिंदे और डीसीएम देवेंद्र फडनवीस और अजित पवार ने अच्छा काम किया है। मुंबई और महाराष्ट्र के सभी उत्तर भारतीयों से अपील करता हूं कि हाथ में धनुष बाण लेकर कमल खिलाइए। इस मौके पर बीजेपी नेता व पूर्व मंत्री कृपाशंकर, विधायक राजहंस सिंह, उद्योगपति ललन तिवारी, बीजेपी नेता अखिलेश चौबे सहित कई अन्य प्रतिष्ठित उत्तर भारतीय कार्यक्रम में मौजूद थे।

'महायुति ने अच्छा काम किया'

बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्ववाली महायुति सरकार ने अच्छा काम किया है। किसी राज्य का नेतृत्व अगर इधर-उधर हो जाता है तो केंद्र सरकार उसे संभाल लेती है। घड़ी में समय देखकर और हाथ में धनुष-बाण लेकर कमल को खिलाइये। ऐसा आव्हान करने के साथ ही केंद्रीय रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्ववाली केंद्र की भाजपाई सरकार की उपलब्धियों का जमकर बखान किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पहले भारत 11वें स्थान पर था। इसी के साथ उन्होंने दावा किया 2027 तक भारत विश्व की टॉप 3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। सिंह ने कहा कि अमेरिका और चीन के बाद भारत ही अच्छा प्रगति कर रहा है।

'पूरी दुनिया में मोदी मैजिक'

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि किस तरह से आज दुनिया भर में पीएम मोदी का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए उन्होंने मोदी के वैश्विक प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन की लड़ाई लगभग दो वर्षों से चल रही है। पढ़ाई के लिए यूक्रेन गए छात्रों के अभिभावक युद्ध ग्रस्त इलाकों में फंसे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की और युद्ध साढ़े चार घंटे के लिए रुक गया। हमारे 4500 बच्चों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित कराई गई। भारत ने वो काम कर दिखाया जो कोई देश नहीं कर सका।

EC ने ली राहुल गांधी के बैग की तलाशी

भड़की कांग्रेस बोली- पीएम मोदी और शाह की क्यों नहीं होती जांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/अमरावती

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के धामनगांव में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे। इस दौरान चुनाव अधिकारियों की ओर से उनका बैग चेक किए जाने पर वह भड़क गए और इस पर सवाल उठाया।

गौरतलब है कि शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे भी इस तरह के सवाल पहले उठा चुके हैं। राहुल 20 नवंबर को महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए एक जनसभा को संबोधित करने यहां पहुंचे थे। इस दौरान अमरावती जिले की आठ विधानसभा सीटों में से एक धामनगांव रेलवे में हेलीपैड पर उनके हेलीकॉप्टर के उतरने के बाद बैग की जांच की गई। उनके बैग चेक किए जाने पर राज्य की पूर्व मंत्री और कांग्रेस की तेओसा विधायक यशोमति ठाकुर भड़क गईं और चुनाव अधिकारियों की कार्रवाई पर सवाल उठाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बैग की जांच क्यों नहीं कर रहे हैं।

राहुल गांधी पर साधा निशाना

इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने जातिगत जनगणना को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारे विरोधी नौजवान नेता राहुल गांधी हाथ में कुछ लाल पुस्तक लिए रहते हैं। कहते हैं कि संविधान है। हमने तो कभी देखा नहीं, लेकिन वह जहां भी जाते हैं, उसे दिखाते हैं। वो कहते हैं कि जातिगत जनगणना कराकर रहूंगा। लेकिन मैं पूछता हूं कि जातिगत जनगणना कराकर करोगे क्या? आप कह रहे हो कि हम सबको आरक्षण का लाभ मुहैया कराएंगे। 2011 में जनगणना हुई थी। तब एक लाख से ज्यादा जातियां, उप जातियां, गोत्र यह सब सारे थे और आपकी सरकारों ने उस रिपोर्ट को प्रकाशित ही नहीं होने दिया। देश की जनता को गुमराह करके राजनीति नहीं की जानी चाहिए। इससे पहले राजनाथ सिंह ने कहा था कि विश्वसनीयता किसी भी राजनीतिक संगठन की सबसे बड़ी संपति है और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ने कभी भी इसके साथ समझौता नहीं किया, जबकि अन्य पार्टियां राजनीतिक लाभ के लिए मतदाताओं को लुभाने के लिए झूठे वादे करती हैं।

प्रियंका गांधी ने मोदी-शाह को जाति जनगणना कराने की दी चुनौती

आरक्षण पर 50% की सीमा हटाने की मांग भी की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/शिरडी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने शनिवार को शिरडी में रैली की। उन्होंने इस रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह को जाति जनगणना कराने के लिए सार्वजनिक रूप से प्रतिबद्ध होने की चुनौती दी। बता दें कि राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को चुनाव होने वाला है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके भाई राहुल गांधी ने जाति जनगणना की वकालत के लिए ही भारत जोड़ो यात्रा की थी।

प्रियंका गांधी ने दी भाजपा को चुनौती

शिरडी में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, मैं पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को एक मंच पर खड़े होकर यह घोषणा करने की चुनौती देती हूं कि वे जाति जनगणना कराएंगे और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे।र भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, रवे दावा करते हैं कि मेरा भाई आरक्षण के खिलाफ है। यह वही व्यक्ति है जिसने न्याय की मांग करते हुए मणिपुर से मुंबई पैदल यात्रा की थी। जाति जनगणना की मांग करते हुए उसने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल यात्री की। वे डरे हुए हैं, इसलिए झूठ फैला रहे हैं। हम प्रत्येक जाति की जनसंख्या संरचना को जाने बिना प्रभावी ढंग से आरक्षण कैसे आवंटित कर सकते हैं?

राजनाथ सिंह की प्रतिक्रिया पर प्रियंका गांधी का पलटवार

झारखंड में रैली के दौरान जाति जनगणना को लेकर राहुल के रुख पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आलोचना की थी। राजनाथ की प्रतिक्रिया के एक दिन बाद प्रियंका गांधी ने महाराष्ट्र में भाजपा को घेरा। राहुल गांधी के रुख पर राजनाथ सिंह ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वे (राहुल) देश के लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

बीजेपी पर बरसे राहुल गांधी

अगर धारावी में 10 अमीर लोग रहते, तो वहां की जमीन का ना होता अधिग्रहण: गांधी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/चंद्रपुर

सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को चंद्रपुर जिले में रैली की। इस रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर धारावी में 10 अमीर लोगों का घर होता तो यहां की जमीन का अधिग्रहण नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि वह राष्ट्र निर्माण में बलिदानों की याद दिलाने के लिए लोगों को संविधान दिखाते रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर बलिदानों का अपमान करने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने की चंद्रपुर में रैली

चिमूर में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, रअगर धारावी में केवल 10 अमीर लोग रहते तो धारावी की जमीन का अधिग्रहण नहीं होता। मैं लोगों को राष्ट्र निर्माण में बलिदानों हुए लोगों की याद दिलाने के लिए संविधान दिखाता रहूंगा। जब मैंने संविधान की लाल किताब दिखाई तब भाजपा ने बलिदानों का अपमान किया।

अमरावती में भी राहुल ने की रैली

बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के अमरावती में भी रैली की। इस रैली में उन्होंने महायुति पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ विपक्षी गठबंधन और दूसरी तरफ भाजपा-आरएसएस है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका मानना है कि देश संविधान से चलना चाहिए और नरेंद्र मोदी कहते हैं कि संविधान एक खोखली किताब है, इसमें कुछ नहीं लिखा है। उन्होंने कहा कि यह किताब भाजपा-आरएसएस के लोगों के लिए खोखली होगी, लेकिन उनके लिए यह इस देश का डीएनए है।

सभी मतदान केंद्रों पर स्वच्छता मुहिम

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

विधानसभा चुनाव को लेकर मनपा क्षेत्र के अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर सर्वंकष स्वच्छता अभियान किया गया। इस मुहिम के तहत शनिवार कलवा, मुंब्रा व दिवा प्रभाग समिती क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों के 100 मीटर परिसर के आस पास के शौचालय,फुटपाथ,मतदान केंद्र पर जाने वाले सड़क,चौक,डिवाइडर आदि का साफ सफाई किया गया। मनपा आयुक्त सौरभ राव के दिये गए निर्देशानुसार सर्वंकष स्वच्छता अभियान किया गया। इस अभियान में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त मनीष जोशी,स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राणी शिंदे,सहायक आयुक्त सचिन बोरसे ने कलवा स्थित मतदान केंद्र के पास मतदान के लिए शपथ ग्रहण कर साफ सफाई किया गया। इसमें घनकचरा विभाग के सभी सफाई कर्मचारी व अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक ने भाग लिया। कुल 367 जगहों पर 1528 मतदान केंद्रों पर 1390 कर्मचारियों के सहयोग से किया गया। रविवार को मानपाडा-माजिवाडा, वर्तकनगर, उथलसर प्रभाग समिती क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर स्वच्छता अभियान किया जाएगा।18 नवंबर को नौपाडा-कोपरी, वागले इस्टेट व लोकमान्य नगर- सावरकर नगर प्रभाग समिती क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर स्वच्छता किया जाएगा।

'महाराष्ट्र की राजनीति को दूषित करने वालों को खारिज करें'

■ शरद पवार की सार्वजनिक अपील

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब केवल चार दिन ही बचे हैं। ऐसे में राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने तेज कर दिए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को मतदाताओं से राजनीति को दूषित करने वालों को खारिज करने की अपील की। उन्होंने आग्रह किया कि जिन्होंने पार्टियों और परिवारों को तोड़कर और सामाजिक विभाजन पैदा कर राज्य की राजनीति को दूषित किया है, उसे खारिज कर दें। एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने शनिवार को एक सार्वजनिक अपील में कहा कि राज्य का गौरव बहाल करना समय की मांग है। उन्होंने लोकप्रिय कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता, कृषि संकट, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और रोजगार के घटते अवसरों को 23 नवंबर को आने वाले चुनाव परिणाम को प्रभावित करने वाले मुद्दों के रूप में रेखांकित किया।

BJP पर लगाया जातिवादी राजनीति में संलिप्त होने का आरोप

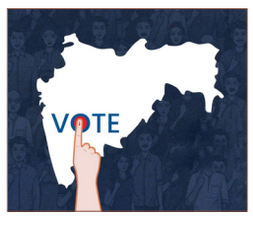

बीजेपी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व वाली NCP के महायुति गठबंधन का महा विकास आघाडी (एमवीए) के साथ कड़ा मुकाबला है। एमवीए में शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस और NCP (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। इस बीच शरद पवार ने आरोप लगाया कि महायुति के कार्यकाल में भ्रष्टाचार बढ़ा है, जिसने मुंबई में प्रवेश करने वाले वाहनों पर शुल्क माफ करने के शिंदे सरकार के फैसले में खामियां पैदा कीं।

लोग बदलाव चाहते हैं और वे बदलाव लाएंगे- शरद पवार

पवार ने कहा, 'महाराष्ट्र एक सुसंस्कृत, प्रगतिशील, मजबूत और स्वाभिमानी राज्य है। इसने न केवल राष्ट्र को रास्ता दिखाया, बल्कि संकट के समय उसके साथ खड़ा रहा। हालांकि, मौजूदा शासक दिल्ली के हाथों के प्यादे बन गए हैं।' उन्होंने महायुति नेताओं पर राज्य के प्रतीकों जैसे छत्रपति शिवाजी महाराज, जिनकी प्रतिमा इस साल अगस्त में ढह गई थी, ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले का अपमान करने पर अमादा होने का आरोप लगाया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

लॉरेंस बिश्नोई का एक और गुर्गा गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में पंजाब के फाजिल्का के पक्का चिश्ती गांव के निवासी आकाशदीप करजसिंह गिल (22) को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि आकाश गिल कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करता है। उसने बाबा सिद्दीकी की हत्या को अंजाम देने वाले आरोपियों को रसद सहायता प्रदान कर रहा था। उसको आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया जा रहा है।

भारत-पाकिस्तान सीमा से गिरफ्तार

जानकारी के मुताबिक, आकाश गिल को पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा से गिरफ्तार किया गया है। हो सकता है कि वो सीमा पार करके पाकिस्तान जाने की फिराक में था। इस मामले में मुंबई पुलिस ने ये 24वीं गिफ्तारी की है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 109, 125, और 3(5), आर्म्स एक्ट और एमपीए एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। यूपी, महाराष्ट्र और पंजाब से कई गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस कॉन्स्टेबल पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद अपने मतपत्र की तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड करने के आरोप में एक पुलिस कॉन्स्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कॉन्सेटेबल गणेश शिंदे ने बीड़ जिले के आष्टी विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान किया। उन्होंने कथित तौर पर अपने मतपत्र की तस्वीर खींची और उसे अपलोड कर दिया। शिंदे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मतपत्र को सोशल मीडिया पर अपलोड करने का आरोप

'एमवीए सरकार ने उद्योगों को नहीं दिया समर्थन'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का विपक्ष पर वार

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को आरोप लगाया कि पिछली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार की वजह से उद्योगों ने राज्य से पलायन किया था, क्योंकि उन्हें सरकार का समर्थन नहीं मिल रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। गुहागर सीट के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, अब महाराष्ट्र ने फिर से देश में अपनी शीर्ष स्थिति हासिल कर ली है और राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के कुल प्रवाह का 52 फीसदी मिल रहा है। शिंदे ने कहा, उद्योगों ने राज्य से इसलिए पलायन किया क्योंकि महा विकास अघाड़ी सरकार ने

उन्हें समर्थन नहीं दिया और अब हम पर आरोप लगा रहे हैं। आपने (एमवीए) दो ढाई साल में क्या किया, यह बताओ। मैं बताने के लिए तैयार हूं कि राज्य में कौन से उद्योग आए और कौन से चल रहे हैं। लोगों को सच बताओ।

'25 हजार महिला पुलिसकर्मियों की होगी भर्ती'

शिंदे ने कहा कि उनकी सरकार देने वाली सरकार है, न कि लेने वाली। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार में शुरू की गई योजनाओं की जांच कराने के विपक्ष के वादे को चुनौती दी और कहा कि वह इन योजनाओं के लिए जेल जाने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि महायुति सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी। पुलिस विभाग में 25 हजार महिला कर्मियों की भर्ती होगी और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को फांसी की सजा दी जाएगी।

'राज्य में पांच लाख करोड़ का निवेश लेकर आई मौजूदा सरकार'

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि शिवसेना-भाजपा-राकांपा सरकार राज्य में पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश लेकर आई है। विपक्ष का आरोप है कि मौजूदा सरकार के दौरान कई बड़ी निवेश परियोजनाओं को गुजरात भेज दिया गया है। रत्नागिरी जिले में विवादित बारसू रिफाइनरी परियोजना को लेकर शिंदे ने कहा कि यह परियोजना एमवीए सरकार के समय स्वीकृत हुई थी। लेकिन उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इसे बलपूर्व या बिना लोगों की सहमति के लागू नहीं किया जाएगा।

उद्धव ठाकरे पर भी हमला बोला

मुख्यमंत्री ने अपने पूर्व वर्ती और शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर भी हमला बोला। शिंदे ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री बनने के लिए बाल ठाकरे के आदर्शों को त्याग दिया था। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उनके तीर-कमान के निशान को बचाया। आप उन लोगों के पास बैठ गए हैं, जिन्होंने बालासाहेब (बाल ठाकरे) का अपमान किया।

देशी पिस्तौल-कारतूस रखने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस ने एक व्यक्ति को देशी पिस्तौल और कारतूस रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। एक गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की यूनिट-6 ने शिवाजी नगर इलाके से आरोपी सुरेश भोजराज डोलारे को गिरफ्तार किया।

हथियार बेचने आया था मुंबई

अधिकारी ने कहा कि पुलिस को जानकारी मिली कि एक व्यक्ति मुंबई में हथियार बेचने जा रहा है। उन्हें आरोपी के पास से पिस्तौल और कारतूस मिला। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

चुनाव नतीजों के बाद करेंगे सरकार का समर्थन: प्रकाश अंबेडकर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वंचित बहुजन आघाड़ी के नेता प्रकाश अंबेडकर ने बड़ी घोषणा की है। अंबेडकर ने ऐलान किया है कि चुनाव नतीजों के बाद उनकी पार्टी सरकार का समर्थन करेगी। विधानसभा चुनाव नतीजों से पहले ही अंबेडकर ने घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वे सत्ता पक्ष के साथ जाएंगे। अकोला में मीडिया से बात करते हुए प्रकाश अंबेडकर ने उपरोक्त अहम बयान दिया है।

मौजूदा राजनीति को बताया सिद्धांतविहीन

इससे पहले उन्होंने यह भविष्यवाणी भी की थी कि राज्य विधानसभा इस बार त्रिशंकु रहेगी। उन्होंने कहा, "राज्य में मौजूदा राजनीति सिद्धांतविहीन है। मौजूदा हालात में कोई भी कहीं भी जा सकता है।" उन्होंने कहा कि इन हालातों में हमें लगता है कि सत्ता पक्ष के साथ जाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव नतीजों के बाद महायुति और महाविकास आघाडी के विकल्प उनके लिए खुले हैं।

'बटेंगे तो कटेंगे' नारे पर किया प्रहार

इस दौरान प्रकाश अंबेडकर ने 'बटेंगे तो कटेंगे' के मुद्दे पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी और इसे लेकर बीजेपी पर हमला बोला। अंबेडकर ने आरोप लगाते हुए कहा कि, "क्योंकि विकास के मुद्दे नहीं हैं इसलिए बीजेपी धार्मिक तौर पर वोटों का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही है।" इस दौरान उन्होंने मीडिया को भी नहीं बख्शा और आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया जानबूझकर वंचितों की अनदेखी कर रहा है। फिलहाल अंबेडकर के इस बयान से राजनीतिक गलियारों में नई बहस छिड़ गई है।

नहीं होगा 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारों का असर: राज बब्बर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

फिल्म अभिनेता से नेता बने राज बब्बर ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोगों को 'वोट जिहाद' और 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारों से उकसाया या भड़काया नहीं जा सकता है। यहां के लोग हर दल की हकीकत को जानते हैं। चुनाव जीतने के लिए तरह तरह के नारे गढ़कर महाराष्ट्र के लोगों को कोई भी बांट नहीं सकता है। लोकसभा चुनाव की तरह महाराष्ट्र एकबार फिर से तगड़ा झटका भाजपा को देने जा रहा है।

पूर्व सांसद बब्बर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा इसलिए दिया क्योंकि हो सकता है कि उन्हें समझ आ गया है कि महाराष्ट्र के लोगों को कोई भी बांट नहीं सकता।

बब्बर ने कहा, ''महाराष्ट्र के लोग हमेशा एक रहे हैं। उन्हें वोट जिहाद और बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारों से उकसाया या भड़काया नहीं जा सकता। जब देश का कोई नागरिक आजीविका की तलाश में मुंबई आता है तो कोई उससे उसकी जाति और धर्म के बारे में नहीं पूछता। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सीट कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

चेंबूर में डेढ़ हजार मतदाता करेंगे चुनाव का बहिष्कार

मारवाड़ी चॉल के रहिवासियों ने किया ऐलान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

झुग्गी पुनर्वास परियोजना के तहत 16 साल पहले एक डेवलपर ने चेंबूर में मारवाड़ी चॉल में 225 घरों को ध्वस्त कर दिया था। हालांकि, परियोजना पीड़ितों का अभी तक पुनर्वास नहीं किया गया है। इस संबंध में क्षेत्रवासियों ने कई बार जन प्रतिनिधियों के कार्यालय में शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके विरोध में डेढ़ हजार निवासियों ने विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। पिछले 16 साल से ये निवासी किराए के मकान में रह रहे हैं, जिसका किराया इन्हें देना पड़ता है। इसके विरोध में निवासियों को किराए के लिए आंदोलन भी किया। 'झोपु' योजना के तहत अभी तक नई इमारत का निर्माण नहीं किया गया है। इसलिए झोपड़ीवासी मदद के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के पास भी गए। इस समस्या के समाधान के लिए कई बार गुहार लगाने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ है।

क्या है मामला ?

मारवाड़ी चाल चेंबूर में संभ्रांत कॉलोनी 'बसंत पार्क' के बगल में थी। इस चाली में 225 घर थे। 16 साल पहले एक डेवलपर ने बिल्डिंग में घर का सपना दिखाकर झोपडपट्टी पुनर्वसन योजना (झोपु) के तहत बिल्डिंग बनाने का वादा किया था। निवासियों ने इस योजना पर सहमति व्यक्त की, क्योंकि उन्हें तीन साल में इमारत में घर मिल जाएगा। इसके बाद झोपड़ियां खाली करा ली गईं। पहले कुछ महीनों के लिए, डेवलपर ने इन झुग्गीवासियों को समय पर किराया दिया। अब डेवलपर ने झुग्गीवासियों को घर का किराया देना बंद कर दिया हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

मतदाताओं की सुविधा के लिए रेलवे चलाएगा विशेष उपनगरीय ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मध्य रेलवे ने मतदाताओं की सुविधा और चुनाव कर्मियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए विशेष उपनगरीय ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। चुनाव कर्मचारियों और आम लोगों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए 19 और 20 नवंबर (मंगलवार और बुधवार की रात) और 20 और 21 नवंबर (बुधवार और गुरुवार की रात) को विशेष ट्रेनें चलेंगी। सभी विशेष ट्रेनें छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-कल्याण और सीएसएमटी-पनवेल के बीच सभी स्टेशनों पर निर्धारित समय के अनुसार रुकेंगी। इन विशेष ट्रेन सेवाओं से कनेक्टिविटी बढ़ने और चुनाव प्रतिभागियों के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित करने की उम्मीद है। यात्रियों को इन रातों में अपनी यात्रा आवश्यकताओं के लिए इन अतिरिक्त सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। रेलवे को उम्मीद है कि यह पहल मतदाताओं को उनके मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाएगी। ये ट्रेनें मुख्य लाइन (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-कल्याण) और हार्बर लाइन (सीएसएमटी-पनवेल) पर विशिष्ट प्रस्थान और आगमन समय के साथ चलेंगी।

विशेष उपनगरीय ट्रेनें

मंगलवार-बुधवार रात्रि (19-20 नवम्बर):

- **मुख्य लाइन (डाउन):** सीएसएमटी-कल्याण स्पेशल: सीएसएमटी से 3:00 बजे प्रस्थान और 4:30 बजे कल्याण पहुँचती है।
- **मेन लाइन (अप):** कल्याण-सीएसएमटी स्पेशल: कल्याण से 3:00 बजे प्रस्थान करती है और सीएसएमटी पर 4:30 बजे पहुंचती है।
- **हार्बर लाइन (डाउन):** सीएसएमटी-पनवेल स्पेशल: सीएसएमटी से 3:00 बजे प्रस्थान और पनवेल 4:20 बजे पहुँचती है।
- **हार्बर लाइन (अप):** पैनल-सीएसएमटी स्पेशल 2: पनवेल से 3:00 बजे प्रस्थान और सीएसएमटी 4:20 बजे पहुंचेगी।

बुधवार-गुरुवार रात्रि (20-21 नवंबर):

- **मेन लाइन (डाउन):** सीएसएमटी-कल्याण स्पेशल: सीएसएमटी से 1:10 बजे प्रस्थान और 2:40 बजे कल्याण पहुँचती है।
- **सीएसएमटी-कल्याण विशेष:** सीएसएमटी से 2:30 बजे प्रस्थान और 4:00 बजे कल्याण पहुँचती है।
- **मेन लाइन (अप):** कल्याण-सीएसएमटी स्पेशल: कल्याण से 1:00 बजे प्रस्थान और सीएसएमटी 2:30 बजे पहुंचती है।
- **कल्याण-सीएसएमटी विशेष:** कल्याण से 2:00 बजे प्रस्थान और 03:30 बजे सीएसएमटी पहुँचती है।
- **हार्बर लाइन (डाउन):** सीएसएमटी-पनवेल स्पेशल: सीएसएमटी से 1:40 बजे प्रस्थान और पनवेल 3:00 बजे पहुँचती है।
- **सीएसएमटी-पनवेल विशेष:** सीएसएमटी से 2:50 बजे प्रस्थान और पनवेल 4:10 बजे पहुँचती है।
- **हार्बर लाइन (अप):** सीएसएमटी-पनवेल स्पेशल: पनवेल से 1:00 बजे प्रस्थान और सीएसएमटी 2:20 बजे पहुंचती है।
- **सीएसएमटी-पनवेल विशेष:** पनवेल से 2:30 बजे प्रस्थान और सीएसएमटी पर 3:50 बजे पहुँचती है।

गोविंदा की अचानक बिगड़ी तबीयत

चुनावी रैली छोड़ मुंबई वापस लौटे एक्टर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/जलगांव

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। एक्टर की जिस वक्त तबीयत बिगड़ी वो जलगांव में थे, वहां रहकर उन्हें 4 जगहों के लिए चुनावी रैली में हिस्सा लेना था। हालांकि, तबीयत बिगड़ने के बाद गोविंदा को मुंबई वापस लाया गया। गोविंदा की तबीयत से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। गोविंदा जब जलगांव के पचोरा में रैली कर रहे थे, उस वक्त उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। अभिनेता से नेता बने गोविंदा जलगांव जिले में विधानसभा चुनाव के लिए महायुति उम्मीदवारों के प्रचार के लिए आए हुए थे।

पीएम मोदी को सपोर्ट करने की अपील

गोविंदा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के लिए चुनावी रैली कर रहे हैं। जलगांव में चुनावी रैली के दौरान गोविंदा ने लोगों से भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन को वोट करके पीएम मोदी को सपोर्ट करने की अपील की है। बता दें, इसी दौरान गोविंदा की तबीयत बिगड़ी। हालांकि, गोविंदा की तबीयत पर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें, कुछ दिनों पहले गोविंदा ने गलती से अपने पैर में गोली मार ली थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गोविंदा के साथ ये हादसा उनके मुंबई स्थित घर पर हुआ था। दरअसल, गोविंदा घर पर अपनी रिवॉल्वर साफ कर रहे थे, उस वक्त गलती से गोली चली और उनके पैर में लग गई थी। गोविंदा के पैर में गोली लगने के बाद जब वो अस्पताल से डिसचार्ज हुए थे तब उनके भांजे और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक एक्टर से मिलने उनके घर पहुंचे थे। उन्होंने बताया था कि मामा अब ठीक हैं। बता दें, कृष्णा और गोविंदा के परिवार के बीच अनबन थी। हालांकि, कृष्णा जब गोविंदा से मिलकर आए थे तो उन्होंने कहा था कि अब चीजें ठीक हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

चंडीगढ़ की कसक

अभी भी चंडीगढ़ के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि शहर की फिजा में इतना ज़हर घुल चुका है कि एक्यूआई चार सौ का आंकड़ा पार कर गया। सिटी ब्यूटीफुल के उपनाम से विख्यात इस शहर को किसकी नज़र लगी, शहर के बाशिंदे अब तक समझ नहीं पा रहे हैं। लोग बताते नहीं थकते कि ऐसा मंजर उन्होंने जिंदगी में पहली बार देखा है। कभी लोग इस शहर की खूबसूरती और स्वास्थ्यवर्धक आबोहवा की कसमें खाया करते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू के सपनों का शहर, जिसे तत्कालीन पंजाब के मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो ने रात-दिन एक करके हकीकत बनाया। फिर फ्रांस के नामचीन वास्तुकार ली कार्बूजिए ने अपनी भारतीय टीम के साथ मिलकर उस सपने को साकार किया। भरपूर हरियाली और योजनाबद्ध तरीके से बने शहर में ऐसा कुछ नहीं दिखता जो भयावह प्रदूषण का सबब बने। विस्तृत सुखना झील, इसके पर्यावरण व सौंदर्य को निखारती है और आबोहवा को शुद्ध करती है। इस शहर को तीन प्रदेशों की राजधानी होने का दर्जा हासिल है। पंजाब व हरियाणा के साथ खुद केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की भी राजधानी है। ऐसे में जब सिटी ब्यूटीफुल के लोगों ने अखबारों में चंडीगढ़ के एक्यूआई लेवल के चार सौ पार करने का समाचार पढ़ा तो उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। एक शहर जिसके सौंदर्य व आबोहवा की शान में पंजाबी गीतों में तमाम कसीदे पढ़े जाते थे, उसे यकायक ये क्या हो गया। शासन प्रशासन के लिये भी यह एक नई चुनौती थी। ऐसी स्थिति पहले कभी उसके सामने आई भी नहीं थी। नौकरशाह भी हतप्रभ थे कि किया क्या जाए। इस ज़हरीली फिजा में प्रत्यक्ष तौर पर शहर की भूमिका भी तो नहीं थी। यहां न तो ऐसी कोई इंडस्ट्री थी और न ही थर्मल प्लांट आदि, जिन पर तत्काल कार्रवाई होती। एक सुनियोजित-व्यवस्थित शहर व जागरूक नागरिक और साथ में सचेत तंत्र। वैसे आधुनिक सभ्यता की विसंगतियां तो जरूर थीं जो तापमान बढ़ाने में किसी हद तक भूमिका निभाती हैं। बहरहाल, समय के साथ-साथ बहुत कुछ ऐसा बदला जरूर है जो इस शहर की आबोहवा में दखल देता है। कभी चंडीगढ़ को बाबुओं का शहर कहा जाता था। बदलते वक्त के साथ कारों का हुजूम जरूर यातायात और पार्किंग की समस्या खड़ी करता है। लेकिन उसकी एक्यूआई लेवल को चार सौ पार पहुंचाने में इतनी बड़ी भूमिका भी नहीं रही। वैसे तो आधुनिक जीवनशैली के चलते एसी, फ्रिज, कार और निकटवर्ती इलाकों में अंधाधुंध निर्माण कार्यों में तेजी ने हमारे पर्यावरण पर हर शहर की तरह असर तो डाला है। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमें जो भूमिका पर्यावरण संरक्षण हेतु निभानी चाहिए, वो हम नहीं निभाते हैं। यूं तो चंडीगढ़ का मूल स्वरूप बरकरार है। कुछ सेक्टर नये जुड़े हैं, लेकिन सुनियोजित तरीके से ही उनका विस्तार हुआ। चंडीगढ़ के निर्धारित स्वरूप के चलते इसके अधिक विस्तार की गुंजाइश भी नहीं है, लेकिन इसके चारों ओर तमाम छोटे-बड़े शहरों का विस्तार हुआ है। घनी आबादी कहीं न कहीं चंडीगढ़ पर दबाव जरूर बनाती है। लेकिन यह स्थिति उतनी विकट नहीं है कि शहर का एक्यूआई लेवल चार सौ पार करे। कह सकते हैं कि इसके आसपास के राज्यों में जलती पराली की इसमें किसी सीमा तक भूमिका होगी। पड़ोसी पाकिस्तान के लाहौर में एक्यूआई लेवल की जो भयावह स्थिति है उसका असर अमृतसर से चंडीगढ़ तक कितना पड़ा, इसके लिये वैज्ञानिक अध्ययन की जरूरत है। मौसम वैज्ञानिक कह रहे हैं कि पहाड़ों में बर्फबारी के बाद मैदानों में अचानक तापमान गिरने से हवा में नमी बढ़ी है। हवा की गति धीमी होने से प्रदूषक कण आगे नहीं बढ़ रहे हैं। जिससे प्रदूषण की समस्या विकट हो रही है। हालांकि, धीरे-धीरे स्थिति सुधर रही है, मगर हर कोई चाह रहा है कि मौला बारिश दे, ताकि इस प्रदूषण से छुटकारा मिले। चंडीगढ़ के लोगों को घटनाक्रम सबक दे गया कि घर की सफाई के साथ-साथ आस-पड़ोस भी साफ-सुथरा होना चाहिए। यह भी कि कुदरत किसी भी ज्यादती का प्रतिकार करती है। हमें इसके साथ साम्य बनाकर जीवनयापन करना चाहिए। यही आने वाली पीढ़ी के लिये भी सबक है।

जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य का वक्त

दिनेश सी. शर्मा

अज़रबैजान के बाकू में जलवायु वार्ता का वार्षिक दौर खतरे की घंटी के साथ शुरू हुआ है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपने वार्षिक आकलन में बताया है कि 2024 सबसे गर्म साल रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है, जिसमें जनवरी और सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का पारा औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर से लगभग 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक के आसपास मंडराता रहा। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि यह इजाफा उस 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम सीमा से ऊपर है, जिसे वैज्ञानिकों ने तय किया था और विश्व समुदाय ने उत्सर्जन में कमी लाकर इसको इस हद से नीचा रखने के लिए सहमति बनाई थी। पेरिस समझौते का लक्ष्य औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर की तुलना में धरती की सतह के औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को दीर्घकाल में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना था। जबकि इस वर्ष ला नीना प्रभाव के कारण गर्मी में बढ़ोतरी हो सकती है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड घनत्व निरंतर बढ़ रहा है जो तापमान वृद्धि का कारण बनती है। तापमान वृद्धि से अतिवृष्टि और बाढ़, तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जानलेवा गर्मी, सूखा और जंगल की आग जैसे भयावह परिणामों के अलावा अनेक गहरे प्रभाव पड़ रहे हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने व्याख्या की है : 'जलवायु आपदा स्वास्थ्य को नुकसान, असमानता में बढ़ोतरी और सतत विकास को हानि पहुंचा रही है, यह शांति की नींव को भी हिला रही है'। फंड, उपायों पर अमल और जलवायु वार्ताओं के परिणाम चाहे जो भी हों, दुनिया के सामने यह संकट मुंह बाए खड़ा है। जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यापक होता है। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर हालिया रिपोर्ट 'द लैंसेट काउंटडाउन' बताती है :'हर देश में अब लोगों को अपने स्वास्थ्य और अस्तित्व पर बने खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहे हैं'। सेहत पर प्रभाव डालने वाले कारकों में अब बढ़ती गर्मी प्रमुख वजह है, वर्ष 2023 में लोगों को औसतन 50 से अधिक दिनों तक लगातार प्रचंड गर्मी झेलनी पड़ी, जबकि मौसम में आए बदलावों से पहले ऐसा नहीं होता था। इसके परिणामवश 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जितने लोगों की मौतें हुई, वे 1990 के दशक के औसत से 167 प्रतिशत अधिक हैं। सर्वेक्षण में पाया कि 31 देशों ने कम-से-कम 100 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनी गर्मी भुगती, जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसा होने की उम्मीद न होती। गर्मी के असर से शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे शारीरिक-मानसिक सेहत प्रभावित हो रही है। जो कर्मचारी खुले में या गैर-ठंडे बाहरी वातावरण में काम करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है और उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। यह बहुत बड़ा नुकसान है क्योंकि विश्व स्तर पर लगभग 1.6 बिलियन लोग यानि कामकाजी आयु वर्ग की 25.9 प्रतिशत हिस्सा खुले में काम करता है। इसमें कृषि मज़दूर, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्यरत और अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोग शामिल हैं। स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का अन्य बड़ा असर यह होगा कि इससे जल-जनित, मच्छर-जनित, खानपान-जनित और वायु-जनित रोगों का प्रसार बढ़ने का खतरा है। बढ़ता तापमान, अतिशयी बारिश एवं सूखा, भूमि उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियां इस जोखिम में इजाफा करते हैं। उदाहरणार्थ पिछले 20 सालों में विश्व मेंडेंगू का प्रकोप बढ़ा है। 2023 में, एडीज एजिप्टी जैसे मच्छर का और अधिक इलाकों में फैलाव होने के कारण दुनियाभर में डेंगू के लगभग पचास लाख मामले सामने आए। तापमान वृद्धि के साथ हाल के दशकों में मलेरिया फैलने वाली अवधि भी बढ़ी है। दुनिया का 17 प्रतिशत अतिरिक्त भूभाग पी-फाल्सीपेरम जैसे मलेरिया परजीवियों के फलने-फूलने के अनुकूल हो गया है। जलाशयों के तापमान और लवणता में परिवर्तन के चलते जल जनित रोगों का संक्रमण अधिक फैल रहा है।

जीवन मंत्र — दीपक चोपड़ा

अपने साथ आपका सुलूक

कोई व्यक्ति यदि अविवेकपूर्ण या स्वार्थपूर्ण कार्य करता है, और आप इससे काफी आहत हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि यह आपके अतीत की इस धारणा को प्रतिबिंबित करता है, जो कहता है कि 'मेरे साथ अनुचित चीजें होती हैं, क्योंकि यह एक मतलबी दुनिया है और मुझे इससे नफरत है।

पिछले दिनों एक पत्र मिला, जिसमें पूछा गया था, आप कहते हैं कि रिश्ते इस बात का दर्पण हैं कि हम अपने साथ कैसा सुलूक करते हैं, जबकि ज्ञान परंपराएं कहती हैं, हम इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं हैं कि दूसरे लोग हमारे साथ कैसा व्यवहार करते हैं; हम केवल अपने व्यवहार के जिम्मेदार हैं। ये दोनों संदर्भ अपने आप में विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। अब जब मैं देखता हूं कि कई लोग मेरे साथ एक खास तरीके का सुलूक कर रहे हैं, जो निश्चित तौर पर अनुचित व्यवहार है, तो मुझे यह कैसे पता चलेगा कि यह मेरे ही अंतर को

प्रतिबिंबित कर रहा है या फिर इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं?

रिश्तों के दर्पण होने का मतलब है कि हम दूसरे व्यक्ति के शब्दों या व्यवहार की प्रतिक्रिया में कैसा महसूस करते हैं? ये दरअसल हमारे आत्मविश्वास और उन दृष्टिकोणों का दर्पण है, जो हम अपने बारे में रखते हैं। यह दूसरों के प्रति हमारी सभी प्रतिक्रियाओं पर लागू नहीं होता। यह बस उन प्रतिक्रियाओं से संबंधित है, जो हमारी तटस्थ प्रतिक्रिया की तुलना में असंगत या अतिरंजित हैं।

यह कहना कि केवल अपने कार्यों पर नियंत्रण या उसकी जिम्मेदारी हमारी है, किसी और की नहीं, रिश्तों के दर्पण के लिए एक स्वाभाविक परिमापक बिंदु है। यह ठीक है कि हम दूसरों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन हम उनके बर्ताव की अपनी व्याख्या को तो नियंत्रित कर सकते हैं, और इस तरह हम अपने मन की शांति और भलाई पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति यदि अविवेकपूर्ण या स्वार्थपूर्ण कार्य करता है, और आप इससे काफी आहत हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि यह आपके अतीत की इस धारणा को प्रतिबिंबित करता है, जो कहता है कि 'मेरे साथ अनुचित चीजें होती हैं, क्योंकि यह एक मतलबी दुनिया है और मुझे इससे नफरत है।' यहीं पर आपको गौर करने की जरूरत है। यह एहसास कि आप उस व्यक्ति के कार्यों, उसके आचरण को तो नहीं बदल सकते, मगर उसके कार्यों, आचरणों की अपनी व्याख्या को बदल सकते हैं, बहुत फर्क डाल देगा। आप अपने दैनिक जीवन में इस सूत्र को आजमाकर देख लीजिए। जब आप अन्याय का शिकार होने संबंधी अपनी अनुकूलित (कंडीशंड) मान्यताओं को साफ करते हैं, और व्यक्ति विशेष के व्यवहार को सीमित, स्वार्थी दृष्टिकोण से प्रेरित देखते हैं, जो यह सोचता है कि वह जो चाहता है, उसे सिर्फ दूसरों की कीमत पर प्राप्त कर सकता है, तो आपको लगेगा यह न उचित है, न ही अनुचित है। जब आप जानते हैं कि आपके अंदर उसके व्यवहार से प्रतिबिंबित होने को कुछ भी नहीं, तब आप बिना परेशानी के आगे बढ़ सकते हैं।

जीवन ऊर्जा — महावीर रघुनाथन: जन्म-17 नवंबर 1998 — जन्म

भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का चमकता सितारा

महावीर रघुनाथन का नाम भारतीय मोटरस्पोर्ट्स के क्षेत्र में एक प्रमुख स्थान रखता है। उनका जन्म 17 नवंबर 1998 को चेन्नई, तमिलनाडु में हुआ था। महावीर बचपन से ही रेसिंग के प्रति जुनूनी थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत कार्टिंग से की और धीरे-धीरे फॉर्मूला रेसिंग में कदम रखा।

महावीर ने 2012 में कार्टिंग से मोटरस्पोर्ट्स में अपनी यात्रा शुरू की। इसके बाद उन्होंने यूरोप में विभिन्न फॉर्मूला रेसिंग चैंपियनशिप में भाग लिया। उनके प्रदर्शन ने जल्दी ही उन्हें फॉर्मूला 2 में जगह दिलाई, जो मोटरस्पोर्ट्स की दुनिया में एक बड़ा मुकाम है। 2019 में, महावीर रघुनाथन ने फॉर्मूला 2 चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। हालांकि यह सीजन उनके लिए चुनौतियों से भरा था, लेकिन उन्होंने अपने प्रयासों और सीखने के जुनून से साबित किया कि वह मोटरस्पोर्ट्स में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। महावीर ने अपने करियर में कई प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में हिस्सा लिया है,

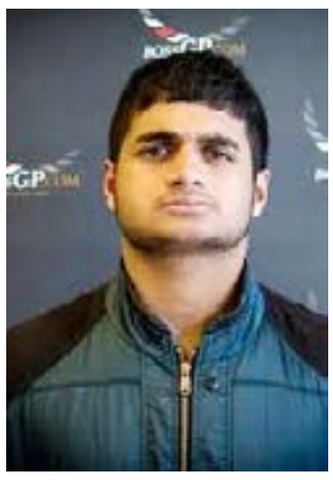

जिनमें फॉर्मूला 3 और ऑटो GP जैसे नाम शामिल हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत है उनकी अद्वितीय ड्राइविंग शैली और हर दौड़ में खुद को बेहतर साबित करने की ललक। महावीर रघुनाथन जैसे रेसर ने भारत में मोटरस्पोर्ट्स को नई पहचान दिलाने का काम किया है। उनकी उपलब्धियां और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी उपस्थिति ने युवा भारतीय रेसरों को प्रेरित किया है। महावीर को रेसिंग के अलावा फिटनेस और टेक्नोलॉजी का भी शौक है। वह अपनी टीम और परिवार के साथ समय बिताने में विश्वास रखते हैं। महावीर रघुनाथन न केवल भारत के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि वह यह साबित करते हैं कि जुनून और मेहनत से किसी भी क्षेत्र में ऊंचाई हासिल की जा सकती है।

सक्सेस मंत्र

मुसीबतों से लड़ें, भागे नहीं

जिंदगी में मुसीबत कभी बताकर नहीं आतीं। मशहूर क्लासिकल डांसर और टीवी एक्ट्रेस सुधा चंद्रन की जिंदगी में भी मुसीबतों ने कुछ इसी तरह दस्तक दी और एक हादसे में उन्होंने अपना एक पैर गवां दिया। लेकिन, हर मुसीबत को ठेंगा दिखाते हुए वह फिर खड़ी हुईं और आज न सिर्फ नृत्य, बल्कि अभिनय की दुनिया में वह जाना-माना नाम हैं। जिंदगी के प्रति सुधा चंद्रन का नजरिया आपको बहुत कुछ सिखा सकता है। तमिलनाडु के एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाली सुधा चंद्रन को बचपन से ही नृत्य के प्रति लगाव है। लेकिन, वर्ष 1981 में एक हादसे ने उनकी जिंदगी और कला को लेकर संजोए गए सपने को झकझोर कर रख दिया। लोग उन्हें सहानुभूति देने लगे। यह सुधा को मंजूर नहीं था। उन्होंने अपनी कमजोरी को ताकत बनाने की ठान ली और मंजिल की तलाश में जुट गईं। मुश्किल हालातों में उन्होंने धैर्य से काम लिया और कठिन परिश्रम करते हुए अपने सपने को पूरा किया।

सड़क हादसे में अपना पैर गंवाने के बाद के वह अक्सर लोगों को यह कहते सुनती थी, कितने दुख की बात है तुम्हारा सपना पूरा नहीं हो पाएगा या हमारी इच्छा थी कि तुम डांस कर सको। सुधा के मुताबिक, पैर गंवाने के बाद मैंने 'जयपुर फुट' की मदद से दोबारा चलना और फिर उसके बाद डांस करना सीखा। जब उन्होंने कृत्रिम पैरों के साथ स्टेज पर पहली बार डांस किया तो लोगों की प्रतिक्रिया प्रेरणादायी थी। इसके बाद उन्होंने एक फिल्म 'मयूरी' में भी काम किया, जो कि उनके ही जीवन पर आधारित थी। इसके फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। सुधा का कहना है कि क्योंकि डांस मेरा शौक नहीं, बल्कि जिंदगी है। इसलिए हर हाल में मैंने इसे जिंदा रखा।

जीवन में हमेशा वही लोग असाधारण सफलता प्राप्त करते हैं, जिनके इरादे पक्के होते हैं। सुधा कहती हैं कि हादसे ने मेरी जिंदगी में अंधेरा ला दिया था। मैं भविष्य को लेकर बहुत उदास थी। लेकिन मैं उस अंधेरे और उदासी में हमेशा नहीं रह सकती थी। अपनी मां के साथ जयुपर आई तो इतनी भर मुराद थी कि मैं चल सकूं। मैंने जयपुर फुट के लोगों से मिलकर यही पूछा कि क्या में चल सकूंगी, नृत्य कर सकूंगी, तो डॉक्टरों ने कहा बेशक आप नृत्य कर सकेंगी। लेकिन, आपको इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। मेरी जिंदगी का वह सबसे खूबसूरत लम्हा था। मैंने कड़ी मेहनत की और जीवन के हादसे को अभिशाप से वरदान में बदल दिया।

सुधा कहती हैं कि जिंदगी में आने वाली मुश्किलों को सपनों को पूरा होने की राह में बाधा न बनने दें। इनका डटकर सामना करें। विकलांगता के बावजूद मैंने हार नहीं मानी। मेरे हौसले कम नहीं हुए। इच्छाशक्ति के दम पर सफलता हासिल की। मुसीबतें सभी की जिंदगी में आती हैं। इसके लिए किस्मत को दोष देते रहने से कुछ नहीं होगा। इस तरह हार मानने से अच्छा है कि हालात बदलकर दूसरों के लिए प्रेरणा बनें।

शख्सियत — मीर्रा अल्फासा

दूसरों की मदद करना सबसे बड़ा धर्म है

मीर्रा अल्फासा, जिन्हें श्रमाँ के नाम से भी जाना जाता है, एक महान आध्यात्मिक शिक्षिका थीं। उनका जन्म 21 फरवरी 1878 को पेरिस, फ्रांस में हुआ था। उन्होंने आध्यात्मिकता, मानव चेतना और आंतरिक विकास के क्षेत्र में महान योगदान दिया। मीर्रा का निधन 17 नवंबर 1973 को पुदुचेरी (पॉन्डिचेरी), भारत में हुआ था।

सदैव अपने भीतर की शांति बनाए रखें, यही सच्ची ताकत है। साहस का असली मतलब डर को पहचानकर उसे पार करना है। सफलता वही होती है जो आत्मा को शांति और संतोष दे। आत्मविश्वास सबसे बड़ा धन है, इसे कभी खोने न दें। हर चुनौती अपने साथ एक नया अवसर लेकर आती है। सही सोच ही सही कर्म का आधार होती है। खुद पर विश्वास करना, असीम संभावनाओं का द्वार खोलता है। जीवन का उद्देश्य आत्मा की पूर्णता प्राप्त करना है। जो खुद को बदल सकता है, वही दुनिया बदलने की शक्ति रखता है। हर कठिनाई आपके भीतर छिपी ताकत को जागृत करती है। प्रेम सबसे शक्तिशाली ऊर्जा है, इसे व्यर्थ न जाने दें। सच्ची खुशी केवल भीतर से आती है। हर दिन को एक नई शुरुआत मानें। जो खुद पर विजय पा लेता है, वही सच्चा विजेता होता है। कठिन समय हमें मजबूत बनाने के लिए आता है। अपने कर्म को पूजा समझकर करें। हर समस्या का समाधान आपके भीतर ही है। खुद को स्वीकार करना आत्म-विकास का पहला कदम है।दूसरों की मदद करना सबसे बड़ा धर्म है। डर को अपने जीवन पर हावी न होने दें। आत्मा की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है। सच्चा ज्ञान केवल अनुभव से आता है। आपके विचार ही आपका भविष्य बनाते हैं। जीवन में संतुलन बनाए रखना सच्ची सफलता है। हमेशा प्रकाश की ओर बढ़ें, चाहे अंधेरा कितना भी गहरा हो।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

माँ दुर्गा द्वारा लोकमंगल के लिए विभिन्न चरित्र

माँ दुर्गा द्वारा अपने भक्तों के व लोकमंगल के लिए विभिन्न चरित्र किए जाते हैं। माँ की प्रत्येक लीला मानव जीवन को कुछ विशेष संदेश प्रदान करती हुई अपने भक्तों के कल्याण के लिए ही होती हैं। ऐसे ही माँ दुर्गा द्वारा रक्तबीज असुर का जिस तरह से नाश किया जाता हैवह बड़ा ही प्रतीकात्मक व संदेशप्रद है।

यह रक्तबीज कुछ और नहीं हमारी कामनाएँ ही हैं जो एक के बाद एक जन्म लेती रहती हैं। एक इच्छा पूर्ण हुई कि दूसरी और तीसरी अपने आप जन्म ले लेती हैं। हम निरंतर इनसे संघर्ष भी करते रहते हैं लेकिन निराशा ही हाथ लगती है क्योंकि हमारे अधिकतर प्रयास इच्छापूर्ति की दिशा में होते हैं, इच्छा दमन की दिशा में नहीं। रक्तबीज तब तक नहीं मरता जब तक उसके रक्त की एक भी बूँद शेष रहती है। ऐसे ही हमें भी हमारी अकारण की इच्छाओं और कामनाओं को पी जाना होगा जो व्यर्थ में दुःखी और व्यथित करती रहती हैं। कामनाओं को पी जाना अर्थात उन्हें विवेकपूर्ण नियंत्रित करना है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज ब्रीफ

धनशोधन मामले में कारोबारी राजेश कात्याल को जमानत

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने धनशोधन के एक मामले में कारोबारी राजेश कत्याल को नियमित जमानत दे दी है। कात्याल को ईडी ने कंपनियों के माध्यम से 200 करोड़ रुपए से अधिक की आपराधिक आय को वैध बनाने में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। कत्याल को इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत दी थी। स्पेशल जज गौरव गुप्ता ने 14 नवंबर को पारित आदेश में व्यवसायी राजेश कत्याल को नियमित जमानत देते हुए कहा कि आरोपी ने पीएमएलए की धारा 45 की दोहरी बाधाओं को पार कर लिया है। चूंकि, निर्धारित अपराध का अस्तित्व ही संदिग्ध है, इसलिए अदालत के पास यह मानने के लिए उचित आधार है कि आरोपी कथित अपराध का दोषी नहीं है। अदालत ने कहा कि आरोपी के जमानत पर रहते हुए कोई अपराध करने की संभावना नहीं दिखती।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी अगले सप्ताह करेंगे नेपाल का दौरा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का अगले सप्ताह नेपाल की चार दिवसीय यात्रा करने का कार्यक्रम है। इस दौरान पहले से देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा और रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। जनरल द्विवेदी को उनकी यात्रा के दौरान नेपाली राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा 'नेपाल सेना के जनरल' की मानद रैंक प्रदान की जाएगी। ये 1950 में शुरू हुई एक पुरानी परंपरा को जारी रखेगी। यह परंपरा दोनों सेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाती है।

सीएम चंद्रबाबू नायडू के छोटे भाई का निधन

हैदराबाद। आंध्र देश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के छोटे भाई रामामूर्ति नायडू का शनिवार को निधन हो गया है। वे 72 साल के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। तीन दिन पहले उन्हें सांस लेने में तकलीफ के चलते हैदराबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

बेल्लारी अस्पताल में प्रसव के दौरान 3 महिलाओं की मौत

बल्लारी। जिला अस्पताल में दो दिनों में प्रसव के दौरान तीन गर्भवती महिलाओं की मौत होने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटना से लोगों में प्रशासन के खिलाफ रोष है। इस गंभीर घटना के बीच कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए तीन डॉक्टरों की एक जांच टीम गठित करने का आदेश दिया है। सिजेरियन डिलीवरी के बाद अचानक गंभीर रूप से बीमार हुई रोजा (19) की गुरुवार को मौत हो गई। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि इससे पहले नंदिनी और ललितम्मा की बुधवार को मौत हो गई थी।

40 साल में पहली बार 5 घंटों के लिए बंद रहेगा हावड़ा ब्रिज

कोलकाता। हावड़ा व कोलकाता को जोड़ने के लिए हुगली (गंगा) नदी के ऊपर बना विश्व प्रसिद्ध हावड़ा ब्रिज (रवींद्र सेतु) स्वास्थ्य जांच के लिए पहली बार बंद रहेगा। इस दौरान इस ब्रिज से वाहनों की आवाजाही करीब 5 घंटों के लिए बंद रहेगी। बताया जा रहा है कि करीब 40 सालों में पहली बार इस ब्रिज को इस तरीके से कई घंटों के लिए बंद किया गया है। जानकारी के अनुसार ये ब्रिज वाहनों की आवाजाही के लिए शनिवार की रात पांच घंटे तक बंद रहा।

कांकेर में पुलिस नक्सली मुठभेड़

दो महिला और तीन पुरुष नक्सली ढेर, दो जवान घायल

एजेंसी । कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर जिले के सीमा के अबूझमाड़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस अधीक्षक आई के एलिसेला ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। अब तक इस एनकाउंटर में पांच नक्सली मारे गए हैं। बताया जा रहा है कि मौके से हथियार भी बरामद हुए हैं। इस एनकाउंटर में दो जवान घायल हुए हैं। जिन्हें एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रायपुर लाया गया है।

सर्चिंग में हथियार और नक्सलियों के शव बरामद

सर्चिंग में हथियार और नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। कुल पांच वर्दीधारी नक्सलियों के शव को बरामद किया गया है। इनमें दो महिला नक्सली और तीन पुरुष नक्सलियों के शव हैं। INSAS और SLR रायफल समेत बड़ी मात्रा में नक्सलियों के कब्जे से हथियार को बरामद किया गया है। पुलिस और फोर्स ने अभी भी इलाके की घेराबंदी कर रखी है।

अक्टूबर में हुए अबूझमाड़ मुठभेड़ में 38 नक्सली ढेर

इससे पहले 4 अक्टूबर को अबूझमाड़ के जंगल में छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन हुआ। नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए एंटी नक्सल ऑपरेशन में 31 नक्सली ढेर हुए। मुठभेड़ के दस दिन बाद 14 अक्टूबर को नक्सलियों ने बड़ा खुलासा किया। माओवादियों की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि 31 नहीं कुल 35 नक्सली ढेर हुए। इसके बाद 18 अक्टूबर को बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि मुठभेड़ में कुल 38 नक्सली मारे गए थे।

कैबिनेट के फैसलों पर पहले एलजी की राय लें : मुख्य सचिव

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार ने सभी अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव को निर्देश दिया है कि वे कैबिनेट के फैसले लागू करने से पहले एलजी की राय जरूर लें। मुख्य सचिव ने अपने पत्र में अधिकारियों से कहा कि वे कैबिनेट प्रस्तावों की तैयारी, परामर्श, चर्चा, निर्णय और फिर क्रियान्वयन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के कामकाज के नियम (टीबीआर) का पालन जरूर करें। इसमें लिखा है कि कोई भी आदेश लागू करने से पहले मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के माध्यम से उसे एलजी के समक्ष उनकी राय के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

मुख्य सचिव ने दिए लिखित निर्देश

मुख्य सचिव ने लिखित निर्देश में कहा है कि यह समाज के किसी विशिष्ट समूह या वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई गई कोई भी कल्याणकारी नीति, कार्यक्रम या योजना, जिसमें किसी विशेष समुदाय, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या किसी अन्य वर्ग के लोगों का हित शामिल है, उसपर आगे कोई भी कार्रवाई करने से पहले राय लेने का प्रावधान नियमों में शामिल है। पत्र में कहा गया है कि सभी प्रशासनिक सचिव की जिम्मेदारी है कि वे कल्याणकारी योजना के संबंध में कैबिनेट नोट तैयार करते समय कामकाज के नियम और जीएनसीटीडी अधिनियम, 1991 का पालन करें।

कुकी समुदाय के लोगों पर पुलिस का लाठीचार्ज

मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों का शव लेने के लिए कर रहे थे प्रदर्शन

एजेंसी । गुवाहाटी

असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (SMCH) के बाहर पुलिस और कुकी समुदाय के लोगों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। दरअसल, मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 उग्रवादियों के परिजन उनके शव मांगने के लिए अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। असम पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि शव मणिपुर पुलिस को सौंपे जाएंगे, लेकिन परिजन शव वहीं सौंपे जाने की मांग करते हुए पत्थरबाजी पर उतर आए। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, जिसके बाद हालात काबू में आए और परिजन मणिपुर पुलिस से शव लेने पर सहमत हुए। अब शवों को मणिपुर के चुराचांदपुर एयरलिफ्ट किया जा रहा है।

11 नवंबर को मारे गए थे 10 कुकी उग्रवादी

मणिपुर के जिरिबाम जिले में 11 नवंबर को CRPF जवानों ने एनकाउंटर में 10 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया था। घटना दोपहर 2.30 बजे बोरोबेकेरा के जकुराडोर करोंग इलाके में हुई थी। यहां के पुलिस स्टेशन और CRPF चौकी पर इन उग्रवादियों ने हमला किया था। जवाबी कार्रवाई के दौरान CRPF का एक जवान घायल हो गया, उसका असम के सिलचर में इलाज जारी है। ये इलाका असम सीमा से लगा हुआ है। पुलिस स्टेशन के नजदीक ही मणिपुर हिंसा में विस्थापित लोगों के लिए एक राहत शिविर है। यहां रह रहे लोग कुकी उग्रवादियों के निशाने पर हैं। शिविर पर पहले भी हमले हो चुके हैं। एहतियातन इस इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई और अगले आदेश तक कर्फ्यू लगाया गया है।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर पकड़े गए 40 दुर्लभ जीव जन्तु

एजेंसी । बेंगलुरु

सीमा शुल्क अधिकारियों को बड़ी कामयाबी मिली है। अधिकारियों ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर एक अंतरराष्ट्रीय वन्य जीव तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में दो तस्कर पकड़े गए हैं। तस्करों के पास से 40 दुर्लभ और लुप्तप्राय जानवरों को बरामद किए गये हैं। तस्करों से पूछताछ की जा रही है।

ट्राली बैग में था छिपाया

देवनहल्ली के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा 40 दुर्लभ और लुप्तप्राय जानवरों को बचाया गया। बेंगलुरु कस्टम अधिकारियों ने विदेश से बेंगलुरु में वन्यजीवों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बेंगलुरु कस्टम अधिकारियों ने ट्रॉली बैग में छिपाकर तस्करी के प्रयास के दो मामलों में 40 जंगली जानवरों को सुरक्षित बचा लिया। आरोपी 12 नवंबर को कुआलालंपुर से देवनहल्ली केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। तस्करी के बारे में खुफिया जानकारी प्राप्त करने वाले बेंगलुरु सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक अभियान चलाया। दो यात्रियों से पूछताछ की और उनके ट्रॉली बैग की जांच की। तलाशी के दौरान दुर्लभ जानवरों से भरे बैग मिले।

40 दुर्लभ जानवरों की तस्करी की कोशिश

ट्रॉली बैग में कुल 40 दुर्लभ जानवरों की तस्करी करने की कोशिश की गई। एक बैग में 24 जानवर थे जिनमें अल्दाबरा विशाल कछुए, लाल पैर वाले कछुए, छिपकलियां, शिंगलबैक स्किंक, गैंडा इगुआना, एल्बिनो चमगादड़ और दूसरे बैग में 16 अन्य जानवर हैं। इनमें ल्यूटिनो इगुआना, गिब्बन, बेबी अमेरिकन एलीगेटर, बेबी लेपर्ड कछुए, लाल पैर वाले कछुए शामिल हैं। सभी जानवर जीवित हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों यात्रियों को सीमा शुल्क अधिनियम और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

'मैं मोहब्बत की दुकान की सदस्यता ले रहा हूं'

एजेंसी । पलक्कड़

केरल में 20 नवंबर को होने वाले पलक्कड़ विधानसभा उपचुनाव से पहले ही भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। खबर के मुताबिक,पार्टी के असंतुष्ट नेता संदीप जी वारियर ने शनिवार को बीजेपी को छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया है। केपीसीसी प्रमुख के सुधाकरन और विपक्ष के नेता वीडी सतीसन समेत कांग्रेस नेताओं ने पलक्कड़ में पार्टी कार्यालय में शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। कांग्रेस नेताओं के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संदीप ने कहा, वे 'मोहब्बत की दुकान' की सदस्यता ले रहे हैं।' इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जम कर निशाना साधा। संदीप ने दावा किया कि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के। सुरेंद्रन पार्टी से उनके बाहर निकलने का मुख्य कारण थे।

बीजेपी नेता संदीप वारियर कांग्रेस में हुए शामिल

नायडू के प्रस्ताव को केंद्र ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के गोदावरी और पेन्नार नदियों को जोड़ने के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। तेलुगू देशम पार्टी ने शुक्रवार को बताया कि केंद्र ने प्रदेश की राजधानी अमरावती के निर्माण में भागीदारी के लिए सिंगापुर के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दिखाई है।

बादल ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी । लुधियाना

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी की वर्किंग कमेटी को भेजा है। बादल ने अपने इस्तीफे के साथ ही उन पर विश्वास जताने और कार्यकाल के दौरान पार्टी से जुड़े लोगों के सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने नए अध्यक्ष के चुनाव का मार्ग प्रशस्त करने के लिए आज पार्टी की कार्यसमिति को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने अपने नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करने और पूरे कार्यकाल के दौरान पूरे दिल से समर्थन और सहयोग देने के लिए सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

- दलजीत सिंह चीमा, शिरोमणि अकाली दल के नेता

दलजीत सिंह चीमा ने क्या कहा?

इस पर शिरोमणि अकाली दल के नेता दलजीत सिंह चीमा ने कहा, ₹शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आपना इस्तीफा देकर पार्टी के नए अध्यक्ष के चुनाव का मार्ग प्रशस्त किया है। दलजीत सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करने और पूरे कार्यकाल के दौरान पूरे दिल से समर्थन और सहयोग देने के लिए सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।₹

सुखबीर सिंह बादल 2008 में बने थे अध्यक्ष

सुखबीर सिंह बादल साल 2008 में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष बने थे। बादल ने 16 साल और दो महीने तक शिअद के अध्यक्ष के रूप में काम किया। सुखबीर सिंह बादल से पहले उनके पिता प्रकाश सिंह बादल पार्टी के अध्यक्ष थे।

उपचुनाव से पहले लिया बड़ा फैसला

सुखबीर सिंह बादल ने पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा ऐसे समय में दिया है जब 20 नवंबर को पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। उनके इस्तीफे के बाद अब देखना होगा कि शिरोमणि अकाली दल का अध्यक्ष किसे बनाया जाता है।

भाजपा और कांग्रेस की ओर से की गई शिकायतों पर चुनाव आयोग सख्त

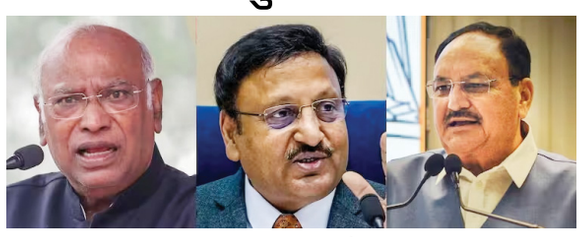

एजेंसी । नई दिल्ली

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। दोनों राज्यों में राजनीतिक दल जमकर प्रचार कर रहे हैं और पार्टी के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो चली है। वहीं इस जुबानी जंग में आपत्तिजनक बयानों को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे की शिकायत चुनाव आयोग से की थी। इस पर चुनाव आयोग ने दोनों दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। आयोग ने दोनों दलों को एक-दूसरे की शिकायत भेजीं हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर कांग्रेस की ओर से की गई शिकायत पर जवाब मांगा है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी भाजपा की ओर से की गई शिकायत का जवाब देने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने दोनों पार्टी अध्यक्षों से 18 नवंबर को दोपहर एक बजे तक जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। साथ ही उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई 2024 को जारी किए गए चुनाव आयोग के निर्देश का पालन कराने के लिए कहा। इसमें स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नियंत्रण रखने के लिए कहा गया था। ताकि सार्वजनिक शिष्टाचार का उल्लंघन न हो और चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन किया जा सके।

विरोध थिएटर पर पेट्रोल बम से हमला, पुलिस ने हिंदू मुन्नानी (हिंदू फ्रंट) के कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में

तमिलनाडु में फिल्म 'अमरन' की स्क्रीनिंग पर बवाल

एजेंसी । जमुई

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु में फिल्म 'अमरन' पर हंगामा नहीं थम रहा है। अब एक सिनेमा हॉल में पेट्रोल बम फेंकने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उधर, पुलिस ने हिंदू मुन्नानी (हिंदू फ्रंट) के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद इन लोगों ने सिनेमा हॉल में घुसने की कोशिश की। हालांकि बाद में पुलिस ने सभी को रिहा कर दिया। पुलिस के मुताबिक मेलापलायम में एक सिनेमा परिसर में दो बदमाशों ने पेट्रोल बम फेंके। धमाका हुआ है लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। संपत्ति को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

भाजपा ने की घटना की निंदा

तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीपीआई, एमएनएमके, तौहीद जमात जैसे इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों ने मेजर मुकुंद वरदराजन की बायोपिक 'अमरन' का विरोध किया था। मेजर मुकुंद वरदराजन ने आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। मरणोपरांत उन्हें अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था।

फिल्म को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे कट्टरपंथी : भाजपा

नारायणन तिरुपति ने कहा कि फिल्म में कश्मीर में हुई आतंकवादी घटनाओं को दिखाया गया है। कुछ लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। कट्टरपंथी संगठनों ने फिल्म की स्क्रीनिंग पर धमकी दी है। मगर तमिलनाडु के लोगों ने फिल्म का स्वागत किया। नारायणन ने कहा कि इसे पचा पाने में असमर्थ कट्टरपंथी संगठनों ने आज हिंसा का सहारा लिया और एक थिएटर में पेट्रोल बम फेंके। हिंदू मुन्नानी के एक नेता ने कहा कि संगठन के राज्य उपाध्यक्ष वीपी जयकुमार के नेतृत्व में कुछ सदस्य थिएटर मालिक को सांत्वना देने पहुंचे थे। मगर उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

भारत ने हमारी अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ दिया : पूर्व ब्रिटिश पीएम

नई दिल्ली। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने शनिवार को कहा कि पश्चिमी देश गंभीर संकट में हैं, जबकि भारत ने शानदार आर्थिक नीतियों और सुधारों के चलते ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ दिया है। वह हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में बोल रही थीं। ट्रस ने कहा, "ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को भारत ने पीछे छोड़ दिया है। भारत में शानदार आर्थिक नीतियां और सुधार हुए हैं। भारत और यूनाइटेड किंगडम के पास एक-दूसरे से तकनीक और कृषि जैसे क्षेत्रों में काफी कुछ सीखने का अवसर है। भारत ने पिछले 100 वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है और उसकी नेतृत्वकारी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।" बता दें कि मैरी एलिजाबेथ ट्रस एक ब्रिटिश राजनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने सितंबर से अक्टूबर 2022 तक यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री और कंजर्वेटिव पार्टी के नेता के रूप में कार्य किया। कार्यालय में अपने पचासवें दिन, उन्होंने सरकारी संकट के बीच पद छोड़ दिया, जिससे वे ब्रिटिश इतिहास में सबसे कम समय तक सेवा देने वाली प्रधानमंत्री बन गईं।

जियोपॉलिटिक्स में भारत की भूमिका

भारत की वैश्विक भूमिका पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, "भारत अब विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है और एक पुराना लोकतंत्र है। भारत भविष्य में एक बड़ी नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा। यह बेहद रोमांचक है। भारत क्वाड का हिस्सा है, जो चीन से बढ़ते खतरे के मद्देनजर खास तौर पर महत्वपूर्ण है।"

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

बोकारो में माओवादियों ने फैलायी दहशत

बोकारो। बोकारो में माओवादियों ने पोस्टरबाजी कर दहशत फैलायी है। भाकपा माओवादियों ने जगह जगह पोस्टर लगाकर वोट बहिष्कार करने का अह्वान किया है। मामला शुक्रवार शाम पेंक नारायणपुर और नावाडीह थाना क्षेत्र के पलामू व सारुबेड़ा का है। घटना के बाद से लोगों में दहशत का माहौल है। बता दें कि इससे पहले पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर में भी पहले चरण के मतदान दिन नक्सलियों ने पोस्टर लगाकर वोट बहिष्कार करने की अपील की थी। भाकपा माओवादियों ने गांव में चार अलग-अलग पोस्टर लगाया है। पहले पोस्टर में लिखा गया है "वोट क्यों? जंल, जंगल, जमीन से बेदखल करने के लिए वोट का बहिष्कार करें। उन्होंने आगे लिखा है कि राजनीतिक संयुक्त मोर्चा आरपीसी बनाने के लक्ष्य से मजदूर किसान और तमाम प्रगतिशील, उत्पीड़ित, मेहनतकश जनता एक हों और चुनाव का बहिष्कार करें।

जमीन हेरा-फेरी करने में 2 अधिकारियों ने की कमलेश कुमार की मदद

रांची। फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमीन की हेरा-फेरी मामले में गिरफ्तार कमलेश कुमार ने मदद करने वाले अंचल अधिकारियों को मोटी रकम घूस के रूप में दी थी। कमलेश ने अरविंद कुमार साहू के नाम पर बैंक एकाउंट खोल कर करोड़ों रुपये का अवैध लेन-देन किया। पीएमएलए कोर्ट के विशेष जज योगेश कुमार की अदालत में ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र में इन तथ्यों का उल्लेख किया गया है। जमीन की हेरा-फेरी के मामले में ईडी ने कमलेश समेत कुल छह लोगों पर आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोपियों में कांके के पूर्व सीओ दिवाकर द्विवेदी (वर्तमान में धनबाद के डीटीओ), वर्तमान सीओ जयकुमार राम, कमलेश का सहयोगी अमरेंद्र कुमार दुबे, अरविंद कुमार साहू और रेखा देवी शामिल हैं। आरोप पत्र में कहा गया है कि जमीन की हेरा-फेरी में कांके के पूर्व सीओ दिवाकर प्रसाद द्विवेदी और वर्तमान सीओ जयकुमार राम ने पूरी मदद की।

यूपी के मंत्री के PSO और ड्राइवर की पिटाई

ग्वालियर। ग्वालियर में उत्तर प्रदेश के मंत्री के काफिले पर हमले की खबर सामने आई है। एक छोटी सी बात इतनी बढ़ गई कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। दरअसल यूपी के राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी के पीएसओ और ड्राइवर का स्थानीय लोगों से विवाद हो गया। उनके पीएसओ ने स्थानीय युवक को थप्पड़ मारा तो 15 से अधिक लोगों ने हमला कर दिया और मंत्री के पीएसओ और ड्राइवर की मारपीट की। पुलिस ने 15 लोगों से ज्यादा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

लापरवाही ने ली 10 मासूमों की जान

▶▶ एक बेड पर भर्ती थे तीन से चार बच्चे
▶▶ जरूरी इंतजाम होते तो बच जाती मासूमों की जान

एजेंसी। झांसी

झांसी के महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा वार्ड (एसएनसीयू) में भीषण आग लगने से 10 नवजात शिशुओं की झुलसने एवं दम घुटने से मौत हो गई। जिस वार्ड में आग लगी थी, वहां 55 नवजात भर्ती थे। 45 नवजात को सुरक्षित निकाल लिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। सेना को भी बुला लिया। सेना एवं दमकल की गाड़ियों ने आग बुझाने में मदद कीं।

फायर सेफ्टी अलार्ट नहीं बजा

झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग से बचाव के इंतजामों की पोल खुल गई। यहां अगर बचाव के जरूरी इंतजाम होते तब दस मासूमों की जान बचाई जा सकती थी। परिजन ने बताया कि आग लगने के बाद वार्ड में लगा फायर सेफ्टी अलार्ट नहीं बजा। इस वजह से बचाव कार्य समय पर आरंभ नहीं हो सका। जब मरीज बाहर की ओर भागे तब जाकर आग लगने की बात मालूम चल सकी। आग लगने के कुछ देर बाद बिजली काट दी गई। पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। अंधेरे के बीच किसी तरह बचाव कार्य चला। चारों ओर धुआं फैल गया। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां पहुंचनी आरंभ हुई तब जाकर आग बुझाने का काम आरंभ हो सका। मेडिकल कॉलेज में आग बुझाने का कोई इंतजाम नहीं था।

एक बेड पर तीन से चार बच्चे भर्ती थे

एसएनसीयू में लगी आग की वजह से 10 बच्चों की मौत के लिए काफी हद तक मेडिकल कॉलेज प्रशासन की लापरवाही सामने आ रही है। जानकार बताते हैं कि एक-एक बेड पर तीन से चार बच्चे भर्ती थे जिसकी वजह से ऑक्सीजन कंसट्रेटर पर गर्म हो गया।

इस मामले में स्थिति का जायजा लेने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार सुबह पांच बजे मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने त्रिस्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। डिप्टी सीएम ने कहा तीनों जांच का मुख्य बिंदु आग लगने की वजह और जिम्मेदार को चिह्नित करके सख्त कार्रवाई करना है। साथ ही कहा कि डीएनए टेस्ट कराने के बाद मृत शिशुओं के शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

फॉग से काबू की आग

दमकल विभाग की टीम ने हादसे की गंभीरता को देख मौके पर पहुंचते ही खिड़कियां आदि तोड़कर फॉग का छिड़काव शुरू कर दिया। जिसकी वजह से आग बाहर बने कक्ष की तरफ नहीं बढ़ सकी अन्यथा गंभीर हादसा होता।

बेटे ने की पिता की हत्या

▶▶ खेत में पानी चलाते समय अचानक फावड़े से किया प्रहार
▶▶ पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

एजेंसी। बलिया

बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र के मुबारकपुर ग्राम में शनिवार की सुबह एक सिरफिरे युवक ने फावड़े से प्रहार कर अपने पिता की हत्या कर दी। घटना की खबर लगते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। हत्यारोपी पुत्र को फावड़ा संग गिरफ्तार कर लिया। घटना को लेकर हर कोई मर्माहत है।

ये है पूरा मामला

मुबारकपुर गांव निवासी जयप्रकाश चौहान (55) अपने पुत्र मोहित चौहान के साथ चंद्रौली गांव स्थित खेत में पानी चला रहा था। इस दौरान मोहित ने अचानक अपने पिता के सिर पर फावड़े से प्रहार कर दिया, सिर पर चोट लगने से जयप्रकाश खेत में गिरकर लहूलुहान हो कर अचेत हो गए। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने जयप्रकाश को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार मोहित मानसिक रोगी है और गत दो वर्षों से वाराणसी में उसका इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी हत्यारे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना में प्रयुक्त कुदाल बरामद किया। मृतक के चचेरे भाई वीरेंद्र कुमार की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

आतंकी हमले की धमकी के बाद अभेद्य किले में बदली अयोध्या

एजेंसी। अयोध्या

यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद यहां पहरा कड़ा कर दिया गया है। इसको लेकर रामनगरी की सुरक्षा सख्त की गई है। अयोध्या अभेद्य किले में बदल गई है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से 16 नवंबर को हमले की धमकी दी गई थी। अयोध्या के प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा घेरा सख्त कर दिया गया है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे के साथ एटीएस, सीआरपीएफ, पीएसी के जवानों ने रूट मार्च कर लोगों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। अयोध्या के प्रवेश द्वार से लेकर राम जन्मभूमि परिसर तक रुट मार्च किया गया।

एटीएस के साथ खुफिया एजेंसी भी अलर्ट पर

रामनगरी के सभी प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। सभी बैरियरों पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। रामनगरी में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की तलाशी हो रही है। बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और एटीएस के साथ खुफिया एजेंसी भी अलर्ट पर हैं।

पीएम मोदी करेंगे प्रयागराज महाकुंभ का शुभारंभ और समापन

एजेंसी। प्रयागराज

प्रयागराज महाकुम्भ 2025 की शुरुआत और समापन दोनों ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में होगा। पीएम 13 दिसंबर को प्रयागराज आएंगे और संगम आरती व पूजा के साथ महाकुम्भ की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के बाद एक बार फिर आएंगे और संगम के जल का आचमन करेंगे। संगम तट से स्वच्छ कुम्भ का संदेश देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर इस वक्त मेला प्राधिकरण में तैयारियां तेज हो गई हैं। 13 दिसंबर के लिए संगम तट पर एक बड़ा मंच बनाया जाएगा। जहां से पीएम गंगा पूजन और आरती करेंगे। यहां गंगा तट स्वच्छ कर प्रधानमंत्री खुद स्वच्छता का संदेश देंगे। जिसके बाद स्वच्छ महाकुम्भ का शुभारंभ होगा। पीएम स्वच्छाग्रहियों से भी मुलाकात कर सकते हैं। प्राधिकरण में अफसरों ने संगम तट पर लेवलिंग का काम तेज करा दिया है। प्रशासनिक अफसरों का कहना है कि महाशिवरात्रि के बाद पीएम के आगमन का अनुमोदन मिल चुका है। हालांकि समापन कार्यक्रम की औपचारिक तिथि अब तक नहीं आई है। महाकुम्भ की देश और दुनिया में ब्रांडिंग के लिए मेला क्षेत्र में प्रमुख स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। पीएम संगम पर बने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाएंगे। महाकुम्भ के दौरान 1783 करोड़ रुपये के अस्थाई कार्य होंगे। इसमें टेंट कॉलोनी, टेंट सिटी, पांटून ब्रिज, मेले की ब्रांडिंग के लिए सेल्फी प्वाइंट आदि बनाएं जा रहे हैं। हालांकि अस्थाई कार्यों का लोकार्पण प्रधानमंत्री से नहीं कराया जाएगा।

वाल्मीकि नगर का पावर हाउस इलाका बना अवैध खनन का हब

एजेंसी। पश्चिमी चंपारण

बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व का सुरक्षा क्षेत्र और पूर्वी नहर पर स्थित पावर हाउस का इलाका इन दिनों अवैध खनन का हब बन गया है। प्रशासन की नाक के नीचे करीब एक दर्जन खनन माफियाओं द्वारा यह काम खुलेआम किया जा रहा है। पहले यह खनन कार्य रात के अंधेरे में होता था, लेकिन अब यह दिन के उजाले में भी खुलेआम किया जा रहा है। स्थानीय पुलिस की गश्ती के बावजूद अवैध खनन करने वालों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे बेखौफ होकर बिना किसी डर के अपने अवैध कार्य को अंजाम दे रहे हैं। वाल्मीकिनगर के हवाई अड्डा चौक के आसपास खनन माफिया लगातार गिट्टी और बालू का भंडारण और कारोबार कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन यह सब देखकर भी चुप्पी साधे हुए है।

चप्पल के कारण खतरे में पड़ी रेलकर्मी की नौकरी

एजेंसी। बरौनी

पूर्व मध्य रेलवे के परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुजफ्फरपुर, नारायणपुर, समस्तीपुर और बरौनी यार्ड का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए। यह कदम शंटिंग के दौरान हो रही रेल कर्मियों की लापरवाही और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। अधिकारियों ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक उपाय लागू करने का निर्णय लिया है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई रेलकर्मी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं। मुजफ्फरपुर में जूते के बजाय चप्पल पहनकर काम पर पहुंचे प्वाइंट्समैन को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया गया।

12 साल की बच्ची से शादी कर रहा था 35 साल का शख्स

बड़ी बहन ने बचाई मासूम की जिंदगी

एजेंसी। फुलवारीशरी

भारत में बाल विवाह करना पूरी तरह से बैन है। इसके बावजूद भी कुछ लोग यह बात मानने के लिए तैयार नहीं है और मासूमों की जिंदगी बर्बाद करने पर तुले रहते हैं। ऐसा ही कुछ हैरान कर देने वाला मामला बिहार की राजधानी पटना से सामने आया है। जहां 35 साल का युवक क्लास फाइव में पढ़ने वाली 12 साल की मासूम के साथ शादी करने की तैयारी कर रहा था। हालांकि पुलिस को जैसे ही इस मामले की जानकारी मिली उसने यह शादी रुकवा दी। पटना के फुलवारीशरीफ में रहने वाली 12 साल की मासूम की शादी शनिवार को होने वाली थी। मेहंदी की रस्म भी हो गई थी। लेकिन सात फेरों से पहले पुलिस वहां पहुंच गई और शादी रुकवा दी।

व्यापार जगत

अदाणी टोटल ने गेल से गैस सप्लाई में 13% की कटौती की घोषणा की

एजेंसी। मुंबई

अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी टोटल गैस ने गेल (इंडिया) से अपनी गैस सप्लाई में 13 फीसदी की और कटौती की घोषणा की है। यह कटौती 16 नवंबर 2024 से प्रभावी होगी। इसके चलते सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी ने कहा कि इस कटौती से उसके मुनाफे पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। अदाणी टोटल गैस के शेयरों में बीते गुरुवार को 0.75 फीसदी की तेजी देखी गई और यह स्टॉक BSE पर 684.15 रुपए के भाव पर बंद हुआ है। कंपनी का मार्केट कैप 75,243.51 करोड़ रुपए है।

अदाणी टोटल का बयान

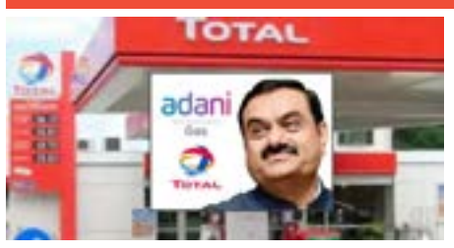

अदानी टोटल ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, रुऐसी कमी पूरे CGD (सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन) इंडस्ट्री में है। हालांकि इंडस्ट्री प्रमुख स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा कर रहा है, लेकिन कंपनी (अदाणी टोटल गैस) की प्रॉफिटेबिलिटी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके साथ ही, कंपनी मौजूदा स्थिति की जांच कर रही है और कम एलोकेशन के प्रभाव को कम करने के लिए एंड कंज्यूमर्स के लिए खुदरा कीमतों को एडजस्ट करेगी। हालांकि, यह अपने कंज्यूमर्स को निर्बाध गैस उपलब्ध कराना जारी रखेगी। यह हालिया कटौती अक्टूबर में लगभग 16 फीसदी की पिछली कटौती के बाद की गई है। अदानी टोटल CGD कारोबार में लगी हुई है और घरेलू, कमर्शियल, इंडस्ट्रियल और व्हीकल यूजर्स को प्राकृतिक गैस की सप्लाई करती है।

फोकस में रहेंगे शेयर

सिटी गैस कंपनियों इंद्रप्रस्थ गैस, महानगर गैस और अदानी टोटल गैस पर सोमवार को कारोबार में दबाव देखने को मिल सकता है। तीनों ही कंपनियों ने घोषणा की है कि गेल (इंडिया) लिमिटेड से उनके घरेलू गैस आवंटन में 13-20% की कमी की गई है।

एनबीएफसी के शेयरों में फिर से तेजी की संभावना

एजेंसी। मुंबई

पिछले एक साल में लगभग 18% गिरावट के बाद, एनबीएफसी कंपनी L&T Finance Ltd के शेयरों में फिर से तेजी आने की संभावना है। हाल ही में ब्रोकरेज फर्म ICICI डायरेक्ट रिसर्च ने इस शेयर को 'खरीदें' की रेटिंग देते हुए 180 का टारगेट प्राइस तय किया है। फिलहाल यह शेयर एनएसई पर 138 पर ट्रेड कर रहा है। इस हिसाब से अगले 12 महीनों में यह स्टॉक करीब 30% का रिटर्न दे सकता है।

Q2FY25: मिला-जुला प्रदर्शन

कंपनी ने Q2FY25 में मिला-जुला प्रदर्शन किया। एडवांस ग्रोथ स्थिर रही, जबकि बाहरी चुनौतियों के बावजूद एसेट क्वालिटी बेहतर रही। रिटेल सेगमेंट में लोन वितरण सालाना 12% बढ़ा, जिससे कंपनी का कुल एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) सालाना 28% और तिमाही आधार पर 5% बढ़कर 88,975 करोड़ हो गया। हालांकि, मार्जिन 37 बेसिस पॉइंट घटकर 8.94% रह गया, जो एसेट मिक्स में बदलाव का नतीजा है। कंपनी की आय 17% बढ़कर 696 करोड़ हो गई, जबकि रिटर्न ऑन एसेट (RoA) 2.6% पर स्थिर रहा। स्टेज-3 एसेट्स में 5 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी हुई और यह 2.84% पर पहुंच गया, जबकि प्रोविजन कवरेज रेशियो (PCR) 29 बेसिस पॉइंट घटकर 4.03% रह गया।

NTPC ग्रीन एनर्जी का IPO 19 नवंबर को खुलेगा

एजेंसी। मुंबई

सरकारी कंपनी NTPC की सब्सिडियरी कंपनी NTPC ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का IPO 19 नवंबर यानी मंगलवार को ओपन होगा। निवेशक इस पब्लिक इश्यू के लिए 22 नवंबर तक बिडिंग कर सकेंगे। 27 नवंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी 10,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए NTPC ग्रीन एनर्जी पूरे 10,000 करोड़ के 925,925,926 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। कंपनी के मौजूदा निवेशक एक भी शेयर नहीं बेच रहे हैं।

डीवीसी और जीयूवीएनएल के बीच समझौता

559 मेगावाट बिजली से जगमगाएगा गुजरात

एजेंसी। अहमदाबाद

दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) ने शनिवार को कहा कि उसने 559 मेगावाट बिजली आपूर्ति के लिए गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ एक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। डीवीसी ने एक बयान में कहा कि बिजली मंत्रालय द्वारा अनुमोदित समझौते से पश्चिम बंगाल में डीवीसी के आगामी दुर्गापुर तापीय बिजली केंद्र (एक गुणा 800 मेगावाट) से 359 मेगावाट और झारखंड में कोडरमा तापीय बिजली केंद्र चरण दो से 200 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाएगी। हस्ताक्षर समारोह में डीवीसी के चेयरमैन एस सुरेश कुमार, सदस्य (वित्त) अरूप सरकार और दोनों कंपनियों के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए। डीवीसी ने कहा कि समझौते को डीवीसी के उपभोक्ता सम्मेलन 2024 के दौरान औपचारिक रूप दिया गया, जो दो दिवसीय कार्यक्रम (15-16 नवंबर) था। इसमें डीवीसी के देश भर के लाभार्थियों के प्रतिनिधि एक साथ आए थे।

आयकर विभाग ने शुरू किया विदेशी संपत्ति छुपाने वालों के खिलाफ अभियान

एजेंसी। नई दिल्ली

सीबीडीटी ने अघोषित विदेशी संपत्ति के बारे में करदाताओं को बताने के लिए अभियान शुरू किया नयी दिल्ली, 16 नवंबर (भाषा) आयकर विभाग ने शनिवार को कहा कि जिन करदाताओं ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपने आईटीआर में उच्च मूल्य की विदेशी आय या संपत्ति का खुलासा नहीं किया है, उन्हें इस बारे में बताने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं को अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में अनुसूची 'विदेशी संपत्ति' (अनुसूची एफए) को सही ढंग से भरने और विदेशी स्रोतों (अनुसूची एफएसआई) से आय के बारे में बताने के लिए आकलन वर्ष (एवाई) 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान शुरू किया है।

न्यूरेका ने जेप्टो के साथ किया डिस्ट्रीब्यूशन एग्रीमेंट

एजेंसी। मुंबई

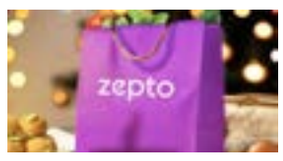

होम हेल्थकेयर और वेलनेस सेक्टर की कंपनी न्यूरेका लिमिटेड न्यूरेका ने जेप्टो के साथ डिस्ट्रीब्यूशन एग्रीमेंट किया है। जेप्टो इंडियन क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है, जिसे 10 मिनट के भीतर ग्रॉसरी और अन्य जरूरी सामान डिलीवर करने के लिए जाना जाता है। इस एग्रीमेंट के बाद न्यूरेका के प्रोडक्ट जेप्टो प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे। इससे भारत भर में एक बड़े कंज्यूमर बेस तक इसकी पहुंच बढ़ेगी। न्यूरेका के शेयरों में बीते गुरुवार को 0.34 फीसदी की तेजी देखी गई और यह स्टॉक BSE पर 268.90 रुपए के भाव पर बंद हुआ है। इस पार्टनरशिप से प्राप्त ऑर्डर की वॉल्यूम वर्तमान में सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) रेगुलेशन, 2015 द्वारा तय मैटेरियलिटी थ्रेशोल्ड को पूरा नहीं करती है, लेकिन न्यूरेका का अनुमान है कि आने वाली तिमाहियों में जेप्टो पर बिक्री इस सीमा को पार कर सकती है क्योंकि बिजनेस डिस्कशन जारी रहेंगी। न्यूरेका ने व्यावसायिक गोपनीयता के कारण समझौते के फाइनेंशियल डिटेल का खुलासा नहीं किया है। न्यूरेका ने हाल ही में सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 31.2 करोड़ रुपए की शुद्ध बिक्री का आंकड़ा दर्ज किया, जो सितंबर 2023 में 31.4 करोड़ रुपए से 0.5 फीसदी कम है। कंपनी ने इसी अवधि के लिए 48 लाख रुपए का तिमाही शुद्ध घाटा भी दर्ज किया, जो सितंबर 2023 में 2.89 करोड़ रुपए के घाटे से काफी सुधार है। सितंबर 2024 में न्यूरेका का EBITDA 80 करोड़ रुपए रहा, जो सितंबर 2023 में 4.59 करोड़ रुपए से 82.4 फीसदी कम है।

भारतीय टीम को अति आक्रामकता का भुगतना पड़ रहा है खामियाजा

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

जीतना है तो क्रीज पर टिकना होगा

एजेंसी । नई दिल्ली

टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचों पर कंगारुओं से पार पाना आसान नहीं होगा। घर में अपने मनपसंद टर्निंग ट्रैक पर न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाज की कलाई खोल दी। न्यूजीलैंड के सामने ऋषभ पंत को छोड़कर उसके शेष बल्लेबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। नतीजा उसे पहली बार घर में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। रोहित एंड कंपनी को अति आक्रामकता भारी पड़ी। भारतीय टीम को अगर लगातार तीसरी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतनी है तो बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकना होगा। रन बनाने की बजाए क्रीज पर वक्त बिता कर ज्यादा से ज्यादा गेंदें खेलनी होंगी।

नंबर गेम

- 9 खिलाड़ी ही मौजूदा 18 सदस्यीय भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया में खेले हैं
- 427 गेंदों का सामना किया है गिल ने तीन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया में और 51.80 की औसत से 259 रन बनाए हैं
- 417 गेंद खेली हैं राहुल ने और पांच टेस्ट में 20.77 की औसत से 187 रन ऑस्ट्रेलिया में बनाए हैं

1999 से अब तक ऑस्ट्रेलिया में भारतीय बल्लेबाजों की ओर से खेली गेंदें

सीरीज	गेंद	खेली	परिणाम
1999-2000	2660	0-3	(3 मैच)
2003-04	4826	1-1	(4 मैच)
2007-08	4661	1-2	(4 मैच)
2011-12	3605	0-4	(4 मैच)
2014-15	4948	0-2	(4 मैच)
2018-19	4381	2-1	(4 मैच)
2020-21	4123	2-1	(4 मैच)

25 साल में ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक गेंद खेलने वाले भारतीय

खिलाड़ी	मैच	रन	गेंद	औसत
राहुल द्रविड़	15	1143	2872	43.96
चेतेश्वर पुजारा	11	993	2657	47.28
विराट कोहली	13	1352	2544	54.08
सचिन तेंदुलकर	15	1441	2450	55.42
वीवीएस लक्ष्मण	15	1236	2364	44.14
अजिंक्य रहाणे	12	884	1653	42.09
विरेन्दर सहवाग	10	948	1287	47.04
सौरव गांगुली	11	696	1180	34.08
मुरली विजय	06	531	1059	44.25
ऋषभ पंत	07	624	865	62.04
रोहित	07	408	856	31.38

खलेगी पुजारा की कमी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर में पिछली दो सीरीज में उसकी जीत का मंत्र यही था। वर्ष 2018-19 में और 2020-21 में मिस्टर भरोसेमंद चेतेश्वर पुजारा ने यह नीति अपनाई थी। सौराष्ट्र के मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने इन दोनों सीरीज में बड़ा अंतर पैदा किया था। टीम को उनकी कमी खलेगी। उनकी जगह किसी को यह जिम्मेदारी संभालनी होगी। भारतीय खिलाड़ियों ने 2018 में कुल 4387 गेंदें खेली थी। इसमें से अकेले पुजारा ने 1258 गेंदों का सामना किया था। इस दौरान उन्होंने 74.42 की औसत से 521 रन भी बनाए थे। वहीं 2020-21 में उन्होंने रन भले कम बनाए पर गेंदें दोनों टीमों के सभी खिलाड़ियों से ज्यादा खेली। उन्होंने 271 रनों के लिए कुल 928 गेंदों का सामना किया और 1366 मिनट क्रीज पर बिताए। उन्हें आठ पारियों में पैट कमिंस ने अपना निशाना बनाया। सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन (426 रन, औसत 53.25) ने 850 गेंद खेली और 1236 मिनट ही क्रीज पर बिताए।

क्रीज पर जमने से पड़ता है फर्क

लाल गेंद के क्रिकेट में बड़ी पारी खेलना या ज्यादा रन बनाना अहम होता है। पर अक्सर मैच जीतने या उसे बचाने (ड्रॉ करने) के लिए भी बल्लेबाजों को लंबे समय तक विकेट पर डटे रहना होता है। इंग्लैंड की बैजबॉल शैली के बाद अब ज्यादातर खिलाड़ी टेस्ट में भी तेजी से रन बनाने पर जोर दे रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने भी यह नीति अपनाई पर उसे नाकामी हाथ लगी। तीन टेस्ट में भारतीय टीम ने सिर्फ 2053 गेंदों का सामना किया। लेकिन पांच दिन के मैच में ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में हमेशा यह रणनीति कारगर नहीं होती। पिच पर टिक कर बल्लेबाजी करने की जरूरत पड़ती है।

गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर, पर्थ टेस्ट से लगभग बाहर

एजेंसी । पर्थ

भारतीय टीम को शनिवार को करारा झटका लगा है। शुभमान गिल पर्थ में 22 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से लगभग बाहर हो गए हैं। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया है। टीम को दो टुकड़ों में विभाजित

करके कराए गए अभ्यास मैच के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय गिल को चोट लगी। वह चोट के बाद काफी दर्द में दिख रहे थे और स्कैन के लिए तुरंत मैदान से बाहर चले गए। भारत की पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली जीत के युवा नायकों में से एक गिल बल्लेबाजी के मुख्य आधार हैं। अगर कप्तान रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर हो जाते हैं तो भारत का शीर्ष क्रम कमजोर दिख सकता है।

रणजी का रण

लाड, रघुवंशी के अर्धशतक से मुंबई की बड़ी जीत

एजेंसी । नई दिल्ली

सिद्देश लाड और अंगकृष रघुवंशी के नाबाद अर्धशतकों से मुंबई ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी इलीट ग्रुप ए में चौथे और अंतिम दिन सेना पर नौ विकेट से आसान जीत दर्ज की। मुंबई ने सुबह एक विकेट पर 24 रन से आगे खेलना शुरू किया और 35.4 ओवर में 135 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

तीसरे स्थान पर

इस जीत से मुंबई के पांच दौर के बाद 22 अंक हो गए हैं और वह ग्रुप ए में बड़ौदा (27) और जम्मू-कश्मीर (23) के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। सेना की टीम 13 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। रणजी ट्रॉफी का अगला दौर सीमित ओवरों के टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी के समाप्त होने के बाद 23 जनवरी, 2025 से शुरू होगा।

नाबाद शतकीय साझेदारी

लाड (नाबाद 73) और रघुवंशी (नाबाद 55) ने दूसरे विकेट के लिए 128 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे मुंबई ने पालम मैदान पर खेले गए मैच में दूसरी पारी में एक विकेट पर 137 रन बना जीत दर्ज की। सेना की टीम ने पहली पारी में 240 और दूसरी पारी में 182 रन बनाए थे जबकि मुंबई ने पहली पारी में 288 रन बनाकर 48 रन की बढ़त हासिल की थी।

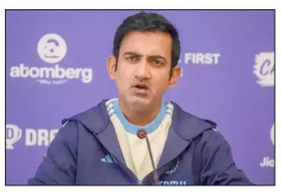

गंभीर की शैली टीम के लिए ठीक नहीं : पेन

एजेंसी । मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने कहा कि गौतम गंभीर की कोचिंग शैली भारतीय टीम के लिए शायद अच्छी नहीं हो। अगर वे 22 नवंबर से पर्थ टेस्ट में मजबूत शुरुआत करने में विफल रहते हैं तो आगे का लंबा सत्र उनके लिए मुश्किल हो सकता है। पेन ने एक इंटरव्यू में कहा, यहां भारत की पिछली दो सीरीज जीत में कोच रवि शास्त्री थे जो शानदार थे। उन्होंने टीम के इर्द-गिर्द शानदार माहौल बनाया था, खिलाड़ियों में ऊर्जा थी, वे जुनून के साथ खेले। अब भारत का नया कोच काफी तुनकमिजाज है, वह हालांकि काफी प्रतिस्पर्धी है।

पाक ने चैंपियंस ट्रॉफी के 'टूर से पीओके को हटाया

एजेंसी । इस्लामाबाद

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत के कड़े विरोध पर अमल करते हुए पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के प्रदर्शनी दौरे के लिए शनिवार को नया कार्यक्रम जारी किया। इसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के शहरों को शामिल नहीं किया गया है।

कराची में समापन

ट्रॉफी सबसे पहले पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रदर्शित की जाएगी। इसके बाद देश के अन्य शहरों खानपुर (17 नवंबर), एबटाबाद (18 नवंबर), मुरी (19 नवंबर) और नाथिया गली (20 नवंबर) की यात्रा करेगी। उसकी इस यात्रा का समापन कराची (22-25 नवंबर) में होगा। ट्रॉफी जिन शहरों से होकर गुजरेगी, उनमें अधिकतर शहर पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। पाकिस्तान के बाद ट्रॉफी को अफगानिस्तान (26-28 नवंबर), बांग्लादेश (10-13 दिसंबर), दक्षिण अफ्रीका (15-22 दिसंबर), ऑस्ट्रेलिया (25 दिसंबर से पांच जनवरी), न्यूजीलैंड (6-11 जनवरी), इंग्लैंड (12-14 जनवरी) और भारत (15-26 जनवरी) ले जाया जाएगा।

धनुष के 10 करोड़ के केस ठोकने पर भड़कीं नयनतारा

साउथ इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस नयनतारा की लाइफ और करियर पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा : बियॉन्ड द फेयरी टेल' 15 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। इसे लेकर नयनतारा सुर्खियों में आ गई हैं। डॉक्यूमेंट्री को लेकर अभिनेता धनुष ने नयनतारा और मेकर्स पर 10 करोड़ का कॉपीराइट केस ठोक दिया है। अब एक्ट्रेस ने धनुष पर जमकर भड़ास निकाली है।

फिल्म के सीन लेने पर हुआ विवाद

दरअसल नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में फिल्म 'नानुम राउडी धान' से 3 सेकंड की क्लिप इस्तेमाल की गई है। इस फिल्म में धनुष लीड रोल में थे। एक्टर इससे नामंजूर थे कि फिल्म के सीन डॉक्यूमेंट्री में ना लिए जाएं। अब उन्होंने आपत्ति जताते हुए एक्ट्रेस पर 10 करोड़ रुपए के कॉपीराइट का लीगल नोटिस भेजा है। नयनतारा ने सोशल मीडिया पर नोट शेयर करते हुए धनुष को खूब खरी खोटी सुनाई है।

धनुष के चक्कर में 2 साल तक अटकी रही डॉक्यूमेंट्री

नयनतारा ने खुलासा किया है किया कि धनुष की वजह से 2 साल तक उनकी डॉक्यूमेंट्री रिलीज नहीं हो पाई। वह उनकी रजामंदी का इंतजार करती रहीं। धनुष ने जब इजाजत नहीं दी तो उन्होंने 2015 में आई उनकी फिल्म 'नानम राउडी धान' के गाने को डॉक्यूमेंट्री से हटा दिया। नयनतारा बीते 2 साल से फिल्म के गाने और विजुअल्स के लिए नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) का इंतजार कर रही थीं, लेकिन धनुष ने सर्टिफिकेट देने से इनकार कर दिया।

नीना ने खोली डिंपल की पोल

नीना गुप्ता का नाम बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो न सिर्फ अपनी शानदार अदाकारी के लिए, बल्कि अपनी दो टूक बयानबाजी के लिए भी खूब सुर्खियों में रहती है। एक बार फिर उनका बयान चर्चा में है।

दरअसल, हाल ही में नीना अभिनेत्री करीना कपूर के शो 'व्हाट वुमन वांट' में मेहमान बनकर आईं, जहां उन्होंने कई सवालों के जवाब बड़ी बेबाकी से दिए। इसी बीच उन्होंने इंग्लिश फिल्म 'टेनेट' के बारे में भी बात की। नीना बोलीं, 'मैंने लॉस एंजेलिस में निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'टेनेट' के लिए ऑडिशन दिया था। सबसे पहले मैंने यहां एक ऑडिशन टेप रिकॉर्ड किया और उसे भेजा। उन्होंने 4 अन्य महिलाओं के साथ मुझे भी चुना, लेकिन आखिरकार डिंपल कपाड़िया ने ये किरदार किया। वह तो लॉस एंजेलिस भी नहीं गई थीं। समझ नहीं आया ऐसा कैसे होगा। मैंने सोचा कि मैं डिंपल से पूछूंगी कि 'तू तो वहां गई भी नहीं, तुझे कैसे चुन लिया।'

ऑडिशन में कभी पास नहीं होतीं नीना

नीना ने आगे कहा, 'हालांकि, किसका चयन करना है और किरदार के हिसाब से कौन सही विकल्प है, यह पूरी तरह से निर्देशक का फैसला होता है। आप इसमें कुछ नहीं कर सकते हैं। सच कहूं तो ऑडिशन मेरे लिए काम करते ही नहीं हैं। मैं इनमें हमेशा फेल ही होती हूं।' इससे पहले भी नीना ने जब इस पर बात की थी तो उन्होंने कहा था कि डिंपल को निर्देशक से मिले बिना ही यह फिल्म मिल गई थी।

रोहित शेट्टी ने नई पीढ़ी के सितारों को दी सलाह

निर्देशक रोहित शेट्टी ने नई पीढ़ी के सितारों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि 90 प्रतिशत युवा सितारों के सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स खरीदे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि ज्यादातर सितारे असुरक्षित हैं और असफलता से घबराते हैं। रोहित ने कहा, 'नए सितारे बेहद असुरक्षित हैं। वे सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय हैं, जो वास्तविक दुनिया नहीं है। उनके 90 प्रतिशत फॉलोअर्स खरीदे हुए हैं और अपने

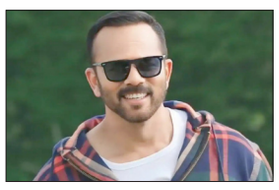

बारे में अच्छी खबर छापने के लिए भी वो भुगतान कर रहे हैं। उन्हें इस आभासी दुनिया से बाहर निकलने की जरूरत है। फॉलोअर्स खरीदने या पैसे देकर आर्टिकल लिखवाने से आप इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक नहीं टिकने वाले।'

रोहित की युवा पीढ़ी को सलाह

रोहित ने आगे कहा, 'अंत में आपका काम ही बोलेगा। आपकी ही फिल्म ही आपका भविष्य तय करेगी। लिहाजा आपको खुद को बड़े पर्दे पर साबित करना होगा, ना कि मोबाइल की स्क्रीन पर। पिछली पीढ़ी के बड़े सितारे सोशल मीडिया के झमेले से दूर रहते हैं। युवा पीढ़ी को तो मेरी सबसे बड़ी सलाह है कि किसी भी काम को छोटा या बड़ा मत समझो।

सुभाष घई को अपना गुरु मानते हैं इम्तियाज अली

फिल्मकार सुभाष घई को उनकी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाना जाता है। अपने करियर में उन्होंने हीरो, सौदागर, कर्मा और राम लखन जैसी यादगार फिल्में बनाई हैं। हाल ही में उनकी आत्मकथा कर्माज चाइल्ड का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में सुभाष घई के साथ इम्तियाज अली भी नजर आए। इस दौरान इम्तियाज अली ने मीडिया से बातचीत में सुभाष घई की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि कैसे फिल्मकार का प्रभाव उनके करियर में किस हद तक रहा है।

सुभाष घई को बताया द्रोणाचार्य

कर्मा चाइल्ड के लॉन्च के बाद इम्तियाज अली ने फिल्मों के साथ असल जीवन में सुभाष घई के दृष्टिकोण की खुले दिल से तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आप गुरुओं से अच्छी चीजें सीखते रहते हैं, चाहे वह आपसे दूर हों या पास। जब मैं जमशेदपुर में था तो एकलव्य की तरह था। उस समय सुभाष घई एक द्रोणाचार्य की तरह थे। मैंने उनकी फिल्मों से बहुत कुछ सीखा।'

नानी ने विपिन दास के साथ मिलाया हाथ

साउथ सुपरस्टार नानी ने हाल ही में मलयालम सिनेमा के प्रति अपनी गहरी रूचि व्यक्त की और भविष्य में इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्म निर्माताओं और लेखकों के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। वहीं, अब अभिनेता की नई फिल्म को लेकर खबर आ रही है। ताजा खबर है कि नानी अब मलयालम इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक विपिन दास के साथ उनकी अगली फिल्म के लिए काम करने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, नानी आखिरकार मलयालम फिल्म उद्योग की प्रतिभाओं के साथ काम करने की अपनी पुरानी इच्छा को पूरा

करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म के लिए मशहूर निर्देशक विपिन दास के साथ हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं, जिन्होंने 'जय जय जय हे' और ब्लॉकबस्टर 'गुरुवायुरम्बल नादायिल' का निर्देशन किया था। कहा गया कि अभिनेता और फिल्म निर्माता बहुत जल्द अपने पहले सहयोग की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं।

चुनावी चकल्लस

» अमित बृज

प्रबंधन को प्राथमिकता

हरियाणा में सफलता के बाद, बीजेपी ने झारखंड और महाराष्ट्र में अपने प्रबंधन को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। पार्टी नेताओं का मानना है कि प्रभावी प्रबंधन के जरिए चुनावी परिणामों को बदला जा सकता है। हर क्षेत्र में यह विचार किया जा रहा है कि किस नेता की उपस्थिति जरूरी है और किसकी नहीं। महाराष्ट्र में, बीजेपी यह संकेत दे रही है कि मुख्यमंत्री पद पर उनकी पार्टी का उम्मीदवार हो सकता है या शिवसेना के शिंदे पद पर बने रह सकते हैं, और यह संदेश विभिन्न इलाकों में अलग-अलग ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। इस समय पार्टी ₹सबके लिए मौका₹ की नीति पर काम कर रही है। विरोधियों की हर योजना को विफल करने के लिए बीजेपी ने अलग-अलग रणनीतियां बनाई हैं। एक नेता का कहना है कि पार्टी के पास मजबूत नेता और कुशल प्रबंधक दोनों हैं, और आज के दौर में चुनावी सफलता उन्हीं की होगी जिनके पास बेहतर प्रबंधन क्षमता होगी। अब देखना है कि प्रबंधन की इस बाजी में किसका दांव भारी पड़ता है।

विपक्ष को भी संदेश

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के साथ उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के उपचुनावों में भाजपा के दो नारे, 'बंटेंगे तो कटेंगे' और ₹एक हैं तो सेफ हैं₹, इन दिनों काफी चर्चा में हैं। भाजपा इन नारों के माध्यम से सामाजिक ध्रुवीकरण की संभावनाओं को भुनाने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, विपक्ष इन नारों को अलग दृष्टिकोण से देख रहा है। एक प्रमुख विपक्षी नेता ने कहा कि यह संदेश सिर्फ मतदाताओं के लिए नहीं, बल्कि उनके लिए भी है जो भाजपा का मुकाबला करना चाहते हैं। यदि विपक्षी दल एकजुट होकर साथ रहते हैं, तो भाजपा को चुनौती दी जा सकती है। लेकिन यदि वे विभाजित रहते हैं, तो भाजपा की मौजूदा रणनीतियों के कारण उसे सत्ता से हटाना बेहद कठिन होगा। इन चुनावों के बाद, विपक्ष का अगला बड़ा मैदान संसद का शीतकालीन सत्र होगा। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या विपक्ष इस सत्र में एकजुट रहकर सरकार का सामना कर पाता है या फिर आपसी मतभेदों के चलते बिखर जाता है।

भैया बस मुकाबला है...

हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस मौन है। हालांकि चुनावी रैलियों में पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में जीत का भरोसा जताने की कोशिश कर रही है, लेकिन अंदरूनी तौर पर पार्टी कोई ठोस बयान देने से बच रही है। संगठन की सर्वे रिपोर्ट पर भी पार्टी के रणनीतिकार पूरी तरह विश्वास नहीं जता रहे हैं। इसी कारण, दोनों राज्यों में वे करीबी मुकाबला होने की संभावना स्वीकार कर रहे हैं। चुनाव प्रचार में व्यस्त एक वरिष्ठ नेता से जब इस विषय पर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'बस आप इसे एक मुकाबला मान लीजिए, क्योंकि हरियाणा के नतीजों के बाद कोई भी बड़ी भविष्यवाणी नहीं कर सकता।'

थोराट नौवीं बार विधायक बन पाएंगे या नहीं?

VVIP सीट विश्लेषण

धीरज सिंह

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 की VIP सीटों में शामिल संगमनेर के परिणाम पर भी हर किसी की नजर है। वजह यह है कि संगमनेर से कांग्रेस नेता बाला साहेब थोराट साल 1985 से लगातार विधायक बनते आ रहे हैं। अब बाला साहेब थोराट नौवीं बार विधायक बन पाएंगे या नहीं? इसका पता संगमेर विधानसभा चुनाव 2024 में 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को मतगणना से चल सकेगा।

संगमनेर विधानसभा चुनाव उम्मीदवार

क्रमांक संख्या 217 वाला संगमनेर विधानसभा क्षेत्र महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में आता है। यहां से कांग्रेस ने मौजूदा विधायक बाला साहेब थोराट पर दांव लगाया है जबकि इनके सामने शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट ने अमोल धोंडीबा खटाल को मैदान में उतारा है। यहां से पूर्व भाजपा सांसद सुजय विखे पाटिल टिकट मांग रहे थे, मगर महायुति गठबंधन सीट शेयरिंग में यह सीट एकनाथ शिंदे शिवसेना के हिस्से में आई।

संगमनेर कांग्रेस के बाला साहेब का एकछत्र राज

संगमनेर में कांग्रेस के बाला साहेब थोराट का बीते 39 साल से कब्ज़ा है। साल 1985 से लेकर 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बालासाहेब थोराट लगातार जीत दर्ज करते आए हैं। करीब चार दशक से भाजपा, शिवसेना, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी समेत अन्य दलों का कोई प्रत्याशी बालासाहेब थोराट को टक्कर नहीं दे पाया। थोराट ने साल 1985 पहला चुनाव निर्दलीय जीता। इसके बाद सातों चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहे।

बालासाहेब थोराट का राजनीतिक सफर

1985–वर्तमान – विधान सभा के सदस्य, महाराष्ट्र

1999–2004 – कृषि राज्य मंत्री, महाराष्ट्र सरकार

2004–2014 – कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र सरकार

14 जुलाई 2019 – 5 फरवरी 2021 – पीसीसी प्रमुख, महाराष्ट्र

26 नवंबर 2019 – 2023 – कांग्रेस विधायक दल के नेता, महाराष्ट्र विधान सभा

28 नवंबर 2019 – 2023 – राजस्व के कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र सरकार

8 जनवरी 2020 – पालक मंत्री कोल्हापुर

स्थायी आमंत्रित – कांग्रेस कार्य समिति

बालासाहेब थोराट का जीवन परिचय

महाराष्ट्र कांग्रेस के दिग्गज नेता बालासाहेब थोराट का जन्म 7 फरवरी, 1953 को किसान नेता भाऊसाहेब थोराट के घर हुआ। बाबा साहेब के पिता भाऊसाहेब थोराट साल 1978 में कांग्रेस के टिकट पर संगमनेर से विधायक चुने गए थे। खुद बालासाहेब थोराट महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 1985 अपने पहले चुनावी मुकाबले में कांग्रेस के अनुभवी राजनेता शकुंतला खंडेराव थोरात को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप हराकर विधायक बने। थोराट ने महाराष्ट्र सरकार में कई प्रमुख पदों पर काम किया है, जिसमें राजस्व मंत्री के रूप में कार्य करना और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के उपनेता का पद संभालना शामिल है। शिक्षा और कृषि में उनके व्यापक काम से सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका अटूट समर्पण स्पष्ट है, जिसने उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में एक प्रमुख व्यक्ति और अपने गृह राज्य में एक सम्मानित नेता के रूप में चिह्नित किया। बालासाहेब थोराट ने 1975 में पुणे विश्वविद्यालय से संबद्ध फर्ग्यूसन कॉलेज से बीए की डिग्री ली। इसके बाद 1977 में पुणे के आईएलएस लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री हासिल की।

बाला साहेब थोराट का चुनाव परिणाम, कब किसको हराया?

2019: कांग्रेस के बालासाहेब थोराट को 125,380 व शिवसेना के नवले साहेबराव रामचन्द्र को 63,128 वोट मिले। जीत का अंतर 62,252 रहा।

2014: कांग्रेस के बालासाहेब थोराट को 1,03,564 व शिवसेना के अहेर जनर को 44,759 वोट मिले। जीत का अंतर 58,805 रहा।

2009: कांग्रेस के बालासाहेब थोराट को 96686 व शिवसेना के बाबासाहेब धोंडीबा कुटे को 41,310 वोट मिले। जीत का अंतर 55,376 रहा।

2004: कांग्रेस के बालासाहेब थोराट को 120058 व शिवसेना के संभाजीराव रामचन्द्र थोराट को 44,301 वोट मिले। जीत का अंतर 75,757 रहा।

1999: कांग्रेस के बालासाहेब थोराट को 61,975 व शिवसेना के बापूसाहेब नामदेव गुलवे को 40,524 वोट मिले। जीत का अंतर 21,451 रहा।

1995: कांग्रेस के बालासाहेब थोराट को 73,611व IND बापूसाहेब नामदेव को 58,957 वोट मिले। जीत का अंतर 14,654 रहा।

1990: कांग्रेस के बालासाहेब थोराट को 57,465व भाजपा के वसंतराव सखराम गुंजल को 52,603 वोट मिले। जीत का अंतर 4,862 रहा।

1990: निर्दलीय बालासाहेब थोराट को 40,218 व कांग्रेस के शकुंतला खंडेराव थोरात को 30,059 वोट मिले। जीत का अंतर 10,159 रहा।

literature live! The Mumbai LitFest
PRESENTED BY: Godrej INDUSTRIES GROUP
IN ASSOCIATION WITH: NCPA

15 – 17 Nov. 2024 at NCPA

TODAY'S HIGHLIGHTS

ROTARY WRITING FOR PEACE AWARD
Presentation to Urvashi Butalia followed by a conversation with Sameera Khan
11:30 AM – GODREJ THEATRE

BRING IT ON
Preview of Mohinder & Rajender Amarnath's 'Fearless' followed by stories of India's most courageous cricketer
12:30 PM – EXP. THEATRE

CHANGING LANES
Preview of Prajakta Koli's 'Too Good To Be True'; followed by a conversation about her fascination with fiction Prajakta Koli in conversation with Tarana Raja
4:40 PM – TATA THEATRE

WHIZ BOOM BANG!
Imagining an accidental superhero Huma Qureshi in conversation with Tarana Raja
5:10 PM – TATA THEATRE

GODREJ LITERATURE LIVE! 2024 AWARDS
Presentation of literary awards in fiction, non fiction, business and playwrighting categories
7:15 PM – EXP. THEATRE

PERFORMANCE
ORPHEUS
A retelling of the Greek myth through music and spoken word. at Experimental Theatre

125 AUTHORS
13 COUNTRIES
3 DAYS
1 FESTIVAL

CELEBRATING 15 YEARS
Entry Free, Register Now!
Full Schedule: litlive.in
POWERED BY: kotak

सीट वॉर

» दीपक पवार

जीशान सिद्दीकी, तृप्ति बाला सावंत और वरुण सरदेसाई में मुकाबला

चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे, और इसी दिन यह स्पष्ट होगा कि महाराष्ट्र में किस पार्टी का शासन स्थापित होगा। महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं, और सभी राजनीतिक दल इन सीटों पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए प्रयासरत हैं। इनमें से वांद्रे ईस्ट विधानसभा सीट भी शामिल है, जो मुंबई, महाराष्ट्र की राजधानी में स्थित एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। वांद्रे, जिसे बांद्रा के नाम से भी जाना जाता है, मुंबई उपनगरीय जिले के अन्य पांच विधानसभा क्षेत्रों के साथ मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। 2019 में वांद्रे ईस्ट क्षेत्र में कुल 30.28 प्रतिशत मतदान हुआ था। उस चुनाव में, कांग्रेस के जीशान ज़ियाउद्दीन सिद्दीकी ने शिवसेना के विश्वनाथ पांडुरंग महादेवेश्वर को 5790 वोटों के अंतर से हराया था।

जीशान सिद्दीकी और वरुण सरदेसाई का मुकाबला

वांद्रे ईस्ट विधानसभा सीट पर मुख्य मुकाबला एनसीपी के जीशान सिद्दीकी, मनसे की तृप्ति बाला सावंत, शिवसेना यूबीटी के वरुण सरदेसाई और शिंदे की शिवसेना के कुणाल सरमलकर के बीच हो रहा है। जीशान सिद्दीकी, जो कांग्रेस से एनसीपी में शामिल हुए हैं, पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी के बेटे हैं, जिनकी हाल ही में मुंबई में हत्या कर दी गई थी। इस हत्या ने पूरे महाराष्ट्र में तनाव पैदा कर दिया है।

कुणाल सरमलकर की एंट्री से मुकाबला और भी कठिन

पहले यह माना जा रहा था कि वरुण सरदेसाई और एनसीपी के जीशान सिद्दीकी के बीच सीधा मुकाबला होगा, लेकिन पूर्व विधायक तृप्ति सावंत और शिंदे की शिवसेना के विभाग प्रमुख कुणाल सरमलकर के चुनावी मैदान में उतरने से मुकाबला और भी जटिल हो गया है। इस बार उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी के पूर्व मंत्री अनिल परब के लिए भी यह चुनाव चुनौतीपूर्ण हो गया है।

वोटों के विभाजन के कारण कांटे की टक्कर की संभावना

वांद्रे ईस्ट में लगभग 38% मराठी, 33% मुस्लिम, 10% दलित और शेष 19% अन्य प्रांतीय वोटर्स हैं। आगामी चुनाव में इस सीट पर कुल 15 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 5 मुस्लिम उम्मीदवार शामिल हैं। इनमें वरुण, जीशान, तृप्ति के अलावा कुछ अन्य स्थानीय उम्मीदवार भी हैं, जो अपने क्षेत्र में प्रभावी हैं। इन उम्मीदवारों में वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रतीक जाधव, आम आदमी पार्टी के बागी नेता महमूद देशमुख, पूर्व नगरसेवक के भाई शब्बीर अब्दुल रहमान शेख और संभाजी ब्रिगेड के गणपत गांवकर जैसे उम्मीदवार शामिल हैं। इस कारण इस चुनाव में वोटों का विभाजन सुनिश्चित है और कांटे की टक्कर हो सकती है।

वांद्रे ईस्ट विधानसभा सीट का इतिहास

वांद्रे ईस्ट विधानसभा सीट मुंबई जिले की प्रमुख सीटों में से एक है। यह सीट 2015 के उपचुनाव में काफी चर्चा में आई थी, जहां शिवसेना की तृप्ति प्रकाश ने बड़ी जीत हासिल की थी। हालांकि, 2019 के चुनाव में वे कांग्रेस के जीशान सिद्दीकी से हार गईं। जीशान सिद्दीकी के लिए यह सीट महत्वपूर्ण रही है क्योंकि उन्होंने कांग्रेस की पुरानी प्रतिष्ठा को फिर से मजबूत किया है।

2009 और 2014 में शिवसेना का दबदबा

2009 और 2014 में शिवसेना के उम्मीदवार प्रकाश सावंत ने वांद्रे ईस्ट सीट से लगातार दो बार जीत हासिल की थी, और इस क्षेत्र में शिवसेना का मजबूत जनाधार था। हालांकि, 2014 के बाद प्रकाश सावंत की असामयिक मृत्यु के बाद 2015 में उपचुनाव हुए, जिसमें उनकी पत्नी तृप्ति सावंत ने जीत दर्ज की थी।

2019 में वांद्रे ईस्ट विधानसभा सीट की स्थिति

2019 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना को यहां हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के जीशान सिद्दीकी ने 38,309 वोटों के साथ शिवसेना के उम्मीदवार को हराया, जबकि तृप्ति प्रकाश सावंत को तीसरे स्थान पर रहना पड़ा।